25/-₹

हिन्दी साप्ताहिक

विश्वकर्मा किरण

वर्ष-20 अंक-8 जौनपुर 28 फरवरी, 2019 http://www.vishwakarmakiran.com

राष्ट्रधर्म सर्वोपरि

शहीदों को श्रद्धांजलि के साथ मनाई गई विश्वकर्मा जयन्ती

मूर्तिकार राम वी सुतार को मिला रवीन्द्रनाथ टैगोर अवार्ड

https://www.facebook.com/VishKiranNews/ https://twitter.com/VishKiranNews https://www.linkedin.com/in/vishkirannews/

ट्रैक्टर से चलित धान कूटने की आटो मैटिक मशीन
गाँव - गाँव घर - घर जा कर करे कुटाई
विश्वकर्मा
फाउन्ड्री वर्क्स
हॉफ डाला साईक्लोन मॉडल
भूसी टैंक मॉडल
हॉफ डाला मॉडल
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त, खादी ग्रामोद्योग आयोग से प्रमाणित
यू.पी.एग्रो द्वारा मान्यता प्राप्त सर्वश्रेष्ठ उत्पादन, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड
व उद्योग विभाग द्वारा 25 से 35% तक अनुदान प्राप्त करें ।
विश्वकर्मा फाउन्ड्री वर्क्स मो0 9415139283
एन.टी.पी.सी. रोड कश्मिरिया चौराहा, टाण्डा-अम्बेडकर नगर (उ0प्र0)

Shreya
Associates
www.shreyaassociates.com
*डिजाइनिंग
*ड्राइंग (नक्शा)
*इस्टीमेट
*वैल्युवेशन
सभी सिविल कन्स्ट्रक्शन वर्क
एक्सटीरियर व इन्टीरियर डिजाइन के साथ
एडवाइजर एडवोकेट्स
श्रेया एसोसिएट्स
धावा स्टेट, निकट मटियारी, लखनऊ-226028
Call: 9628545000 Whatsapp: 7897060124
E-mail: info@shreyaassociates.com
shreyaassociates913@gmail.com

सुमन मोटर्स
TATA MOTORS
सेल एण्ड सर्विस
टाटा मोटर्स के नये कार्मशियल एवं पैसेंजर कार के लिए सम्पर्क करें ।
काई भी पुराना वाहन लायें टाटा मोटर्स का नया वाहन घर ले जायें ।
जनप्रतिनिधि एवं सरकारी कर्मचारी/अधिकारी एवं किसान व्यापारी अन्य समस्त लोगों को विशेष सुविधाएं
बीमा सुविधा, फाईनेन्स सुविधा (बैंक द्वारा/टाटा मोटर्स द्वारा/अन्य प्राईवेट फाइनेन्स) के लिए सम्पर्क करें ।
सुमन मोटर्स - एन.एच.-24, कचूरा महोली, जनपद - सीतापुर (उ.प्र.)
मोब. 9415574025, 9454669657, 9839678555, 9838334430

R.N.I. No.- UPHIN/2000/01157

विश्वकर्मा किरण

हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका

वर्ष-20 अंक-8

जौनपुर, 28 फरवरी, 2019

पृष्ठः 32 मूल्यः 25/- रूपया

प्रेरक

रघबीर सिंह जांगड़ा

मो0: 9416332222

*****

सम्पादक

कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

मो0: 9454619328

*****

सह सम्पादक

विजय कुमार विश्वकर्मा

मो0: 8763834009

*****

सह सम्पादक

धीरज विश्वकर्मा

मो0: 9795164872

*****

समन्वय सम्पादक

शिवलाल सुथार

मो0: 8424846141

*****

मुम्बई ब्यूरो

इन्द्रकुमार विश्वकर्मा

मो0: 9892932429

*****

जौनपुर ब्यूरो

संजय विश्वकर्मा

मो0: 9415273179

-ः**सम्पर्क एवं प्रसार कार्यालय**ः-

डिजिटल प्वाइंट, कैपिटल बिल्डिंग (भाजपा कार्यालय के सामने) त्रिलोकनाथ रोड, हजरतगंज लखनऊ। 226001

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कमलेश प्रताप विश्वकर्मा द्वारा अजन्ता प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स, अहमद काम्प्लेक्स, गुईन रोड, अमीनाबाद, लखनऊ से मुद्रित एवं 98, नारायण निवास, नखास, सदर, जौनपुर से प्रकाशित।

सम्पादक- कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

website: www.vishwakarmakiran.com

E-mail: news@vishwakarmakiran.com

-ः**मुख्य संरक्षक**ः-

विश्वकर्मा जागरूकता मिशन

सम्पादकीय...

कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

राष्ट्रधर्म सर्वोपरि

हर व्यक्ति धार्मिक होता है और उसकी भावना कहीं न कहीं जुड़ी ही होती है। भारत देश एक ऐसा स्वतन्त्र देश है जहां सभी धर्मों की पूजा होती है और विभिन्न मतावलम्बियों का सम्मान भी होता है। परन्तु जब बात राष्ट्र की आ जाय तो ''राष्ट्रधर्म'' पहले और सब बाद में। ऐसा ही महान उदाहरण प्रस्तुत किया है भारत के विश्वकर्मावंशियों ने। इसी महीने की 14 तारीख को

कश्मीर के पुलवामा में आतंकवादियों ने आत्मघाती हमला किया जिसमें सीआरपीएफ के 44 जवान शहीद हो गये। इस घटना से पूरा देश मर्माहत हो उठा और शोक में डूब गया।

घटना के तीन दिन बाद ही माघ शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी यानी 17 फरवरी को भगवान विश्वकर्मा जयन्ती थी। पूर्व के वर्षों में विश्वकर्मा जयन्ती बहुत ही धूमधाम से मनाई जाती रही है। परन्तु इस वर्ष पुलवामा की आतंकी घटना के मद्देनजर जयन्ती समारोहों में बदलाव किये गये। आयोजकों ने प्रत्येक वर्ष कार्यक्रम में बजाये जाने वाले ढोल-नगाड़े व डीजे को सम्मिलित नहीं किया। विश्वकर्मा जयन्ती समारोह हर जगह हुये परन्तु भगवान की पूजा-आराधना के बाद पूरा कार्यक्रम रद कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। पूर्व के वर्षों में जहां भी चल समारोह अथवा झांकी निकाली जाती रही है वह निकाली गई, परन्तु उसका तरीका बदला रहा। चल समारोहों में भगवान विश्वकर्मा के जयकारे के साथ ही 'भारत माता की- जय' और 'पाकिस्तान- मुर्दाबाद' के नारे लगे। पूर्व के जिन झांकियों में भगवान विश्वकर्मा सहित अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं हुआ करती थी, इस बार उनमें भारत माता की प्रतिमा और अमर शहीदों की प्रतिमाएं दिखाई पड़ी। विश्वकर्मावंशीय समाज की भावनाएं हमेशा ही देश के साथ रही हैं, चाहे आजादी की लड़ाई रही हो या फिर देश कभी संकट में रहा हो, विश्वकर्मावंशीय समाज का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। विश्वकर्मावंशीय समाज से यही अपेक्षा भी है कि हमेशा देश के साथ मजबूती से खड़ा रहे।

मूर्तिकार राम वी सुतार को मिला रवीन्द्रनाथ टैगोर अवार्ड

कमलेश प्रताप विश्वकर्मा

दिल्ली। विश्व के महानतम मूर्तिकार, पद्मश्री व पद्मभूषण से सम्मानित विश्वकर्मा पुत्र राम वी सुतार को रवीन्द्रनाथ टैगोर अवार्ड प्रदान किया गया है। 18 फरवरी को दिल्ली के प्रवासी भारतीय केन्द्र में आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने यह अवार्ड श्री सुतार को प्रदान किया। मूर्तिकार राम वनजी सुतार को वर्ष 2016 के टैगोर सांस्कृतिक समरसता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राम वी सुतार गुजरात के सरदार सरोवर बांध पर सरदार पटेल की दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति (स्टेच्यू आफ यूनिटी) बनाने वाले मूर्तिकार हैं।

इस अवसर पर उपस्थित प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय एकता की भावना को सशक्त करने और भारतीयों में गौरव का भाव और मजबूत करने वाले राम वी सुतार जी को मैं 'टैगोर अवार्ड' के लिये बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मंच पर उपस्थित केन्द्रीय मन्त्री डा0 महेश शर्मा ने भी श्री सुतार को बधाई दिया। बता दें कि केन्द्रीय मन्त्री डा0 महेश शर्मा उस समय राम वी सुतार को बधाई देने उनके नोयडा स्थित घर गये थे जब सरकार ने उन्हें टैगोर अवार्ड देने की

गुजरात में सरदार सरोवर बांध पर बने सरदार पटेल की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टेच्यू आफ यूनिटी' के उद्घाटन समारोह के अवसर पर राम वी सुतार का अभिवादन करते हुये प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी।

घोषणा किया था। टैगोर अवार्ड की शुरूआत वर्ष 2012 में रवीन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं जयन्ती के अवसर पर शुरू किया गया था। अवार्ड के रूप में प्रशस्ति पत्र व एक करोड़ रूपया दिया जाता है। राम वी सुतार को यह अवार्ड देने का निर्णय प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाले निर्णायक मण्डल की बैठक में लिया गया था। उस बैठक में मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई, एन0 गोपालस्वामी और डा0 विनय सहस्त्रबुद्धे शामिल थे।

प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी राम वी सुतार की मूर्तिकला से पहले से ही बहुत प्रभावित थे। इसकी झलक उस समय भी देखने को मिली थी जब स्टेच्यू आफ यूनिटी के उद्घाटन अवसर पर राम वी सुतार का सम्मान गुजरात के मुख्यमन्त्री द्वारा किया गया तो मंच पर मौजूद प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने ताली बजाने के साथ ही झुककर श्री सुतार को प्रणाम किया। प्रधानमन्त्री की मुद्रा वही, मानो कह रहे हों कि आप ही तो हैं जिसने मेरे सपने को साकार किया।

ऐसा नहीं कि राम वी सुतार ने सरदार पटेल की मूर्ति पहली बार बनाई है। उन्होंने सरदार पटेल की कई मूर्तियां बनाई है। स्टेच्यू आफ यूनिटी तो सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट का हिस्सा था। सरदार पटेल के अलावा, महात्मा गांधी, डा0 भीमराव आम्बेडकर सहित अनेकों महापुरूषों की मूर्तियों को आकार देकर स्थापित कराया है। श्री सुतार ने देश की आजादी में बलिदान होने वाले शहीदों की प्रतिमाओं का भी निर्माण किया है।

राम वी सुतार को जिस दिन टैगोर अवार्ड मिला ठीक उसी दिन वह अपने जीवन के 93 वर्ष पूरे कर रहे थे। उसके अगले दिन वह अपना 94वां जन्मदिन अपने परिवार व शुभचिन्तकों के साथ वह बहुत ही प्रसन्नता पूर्वक मनाया।

वर्ष 2019 में मिला 'टैगो अवार्ड'

वर्ष 2016 में मिला 'पद्म भूषण'

वर्ष 1999 में मिला 'पद्मश्री'

मेरी शिल्पकला को भगवान विश्वकर्मा का आशिर्वाद– सुतार

गंगाराम विश्वकर्मा

मुम्बई। दुनिया में सबसे ऊंची मूर्ति सरदार पटेल की स्टेच्यू ऑफ यूनिटी को बनाने वाले शिल्पकार राम वी सुतार ने कहा कि मेरे द्वारा बनाये गए शिल्पकला को भगवान विश्वकर्मा का आशिर्वाद है। मुम्बई में लोअर परेल स्थित लोढ़ा वर्ल्ड वन टॉवर में आयोजित सम्मान समारोह में श्री सुतार ने कहा कि मेरी शिल्पकला भारतीय संस्कृति व शिल्पकला परम्परा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मैं 1947 से लगातार विभिन्न मूर्तियां बना रहा हूं, लोगों को अच्छा लग रहा है, एक कलाकार को इससे अधिक क्या चाहिए। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में बनने वाले शिवाजी के भव्य मूर्ति का मॉडल बन कर तैयार है, जल्द ही इस दिशा में काम शुरू होगा।

महाराष्ट्र राज्य के वित्त मन्त्री सुधीर मुनगंटीवार ने इस अवसर पर कहा कि विश्वप्रसिद्ध शिल्पकार व पद्मभूषण राम वी सुतार का सम्मान करना हमारे लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि सुतार ने विश्व की सबसे बड़ी प्रतिमा बनाकर भारत माता का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने राम सुतार को भारत का कोहीनूर बताया और कहा कि मेरे लिये यह गर्व की बात है कि राम वी सुतार जैसे व्यक्ति का अभिनन्दन करने का अवसर मिला। वित्त मन्त्री मुनगंटीवार ने विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा का निर्माण करने वाले सुतार का अभिनन्दन देश की सबसे ऊंची आवासीय बिल्डिंग वर्ल्ड वन में होने को भी एक अद्भुत संयोग बताया।

समारोह में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के चेयरमैन केवल हांडा, राजेन्द्र जाधव, विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा, सीमा अठावले तथा अनिल सुतार ने भी विचार रखे। सुधीर मुनगंटीवार, मंगल प्रभात लोढ़ा व मंजू लोढ़ा ने राम वी सुतार को सरस्वती की प्रतिमा भेंट कर शॉल व पुष्प गुच्छों से अभिनन्दन किया। लोढ़ा फाउंडेशन की चेयरपर्सन मंजू लोढ़ा ने अपनी कविताओं से सभी आगन्तुकों का स्वागत किया। डॉ0 द्वारकानाथ कोटणीस रिसर्च ब्यूरो व लाडले इन्फो ने संयुक्त रूप से सम्मान समारोह का आयोजन किया था। समारोह में कला, संस्कृति, समाजसेवा क्षेत्र के कई जाने–माने लोग मौजूद रहे।

भगवान विश्वकर्मा जयन्ती के अवसर पर मुम्बई में आयोजित एक कार्यक्रम में विश्व के महानतम मूर्तिकार राम वी सुतार का स्वागत राजस्थान के पारम्परिक अन्दाज में किया गया। आयोजक प्रदीप सुथार ने व पूरी कमेटी ने श्री सुतार का स्वागत किया। इस अवसर पर काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा वंशजों के नाम एक (संदेश) पाती

मेरे प्यारे बन्धुओं, आप सभी को मेरा प्यार भरा नमस्कार। मैं पिछले कुछ समय से विश्वकर्मा समाज को लेकर थोड़ा सक्रिय हुआ। सक्रियता के कुछ ही दिनों में मैंने समाज के बारे में बहुत कुछ जाना-समझा। सबकुछ जानने और समझने के बाद मैं इस नतीजे पर पहुंचा कि हमारे समाज के लोग जब गांव से जाकर शहर में रहने लगे तो वे 'शर्मा' लिखने लगे। मैं शर्मा लिखने का विरोध नहीं कर रहा हूं, विरोध इस बात का है कि वह अपने आपको छिपाते हैं और विश्वकर्मावंशी बताने में कतराते हैं।

लोगों को अगर शर्मा लिखना है तो लिखें लेकिन साथ में अपनी पहचान जरूर लगायें। जांगिड़ (शर्मा), पांचाल (शर्मा), धीमान (शर्मा), खाती (शर्मा), सुथार (शर्मा), विश्वकर्मा (शर्मा) इत्यादि। हम सब ऐसा न करके अपने साथ व अपने समाज के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। मैं 100 प्रतिशत सही हूं कि जब शर्मा लिखने वाले किसी विश्वकर्मावंशी से कोई जाति पूंछता है तो वह अपने आप को ब्राह्मण बताते हैं न के विश्वकर्मा ब्राह्मण। हाल तो शर्मा लिखने वाले से कोई उनकी जाति क्यों पूछेगा? जाति पूंछने की चेष्टा अपने ही समाज के लोग करते हैं क्योंकि मन में रहता है कि कहीं यह शर्मा जी अपने विश्वकर्मावंशीय तो नहीं।

आपको पता है कि इन सबके पीछे कारण क्या है? कारण सिर्फ एक ही है, वह यह कि वे लोग अपने समाज को पिछड़ा नहीं, अति पिछड़ा समझते हैं जो इनकी बड़ी भूल है, ये पढ़ लिखकर भी अनपढ़ हैं। इण्टरनेट आज की पीढ़ी के लिये ज्ञान का भण्डार है। मैंने बहुत सी जानकारी गूगल से ही इकट्ठा की है।

लेखक-
अशोक विश्वकर्मा (जांगिड़)
पुत्र स्व0 जगदीश विश्वकर्मा (जांगिड़)
पता- निरोजपुर गुर्जर, जिला- बागपत
मो0 : 8171533710

राजस्थान, हरियाणा में जाकर देखिये हमारे समाज का कितना सम्मान है, वह इसलिये कि उनकी सोच हमारे जैसी नहीं है। बड़े-बड़े पदों पर हमारे समाज के लोग बैठे हैं और उन्होंने अपने नाम के आगे शर्मा न लिखकर जांगिड़, पांचाल, धीमान, विश्वकर्मा आदि लिखा है। मैं कुछ उदाहरण देना चाहूंगा-

1-सांगाराम जांगिड़- यह आईपीएस अधिकारी हैं। फिलहाल तमिलनाडु में डीजीपी हैं जो पुलिस में सबसे उच्च पद होता है। इनकी ईमानदारी, निडरता और कर्तव्यनिष्ठा के चलते इनके ऊपर एक फिल्म भी बनी है।

2-राजकुमार विश्वकर्मा- यह भी आईपीएस अधिकारी हैं और डीजी पद पर हैं। इस समय पुलिस भर्ती बोर्ड, उ0प्र0 के चेयरमैन हैं।

3-दिनेश कुमार जांगिड़ 'सारंग'- यह आईआरएस अधिकारी हैं। इनकी जन्मभूमि राजस्थान है और अहमदाबाद में तैनात हैं। इनका समाजप्रेम जग जाहिर है।

4-पिंकी जांगड़ा- यह हरियाणा की हैं और इण्टरनेशनल लेवल पर मुक्केबाजी में प्रतिभाग करती हैं।

5-दीपा कर्माकर- यह त्रिपुरा की रहने वाली हैं और जिम्नास्ट में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग करती हैं।

6-प्रियांक पांचाल- क्रिकेटर हैं।

7-गौरव धीमान- क्रिकेटर हैं। इत्यादि

और यदि आप सर्च करेंगे तो बहुतायत संख्या में नेता, एक्टर, प्लेयर, आईएएस, आईपीएस, आईआरएस, आईएफएस जैसे लोग मिलेंगे। उद्योग जगत में भी एक से बढ़कर एक लोग हैं। राजस्थान निवासी नरसी कुलरिया के नरसी ग्रुप ने अभी हाल ही में वाराणसी में निर्मित महामना मदन मोहन मालवीय कैंसर अस्पताल के इण्टीरियर का काम तय समय से पहले पूरा करके रिकार्ड बनाया। प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने उद्घाटन किया तो नरसी कुलरिया दूसरी पंक्ति में बैठे नजर आये।

बहुत सारे ऐसे लोग मिलेंगे जिन्हें हम जानते तो हैं पर यह नहीं मालूम कि अपने समाज के हैं। ऐसे लोगों के बारे में जानकारी होने पर अचम्भित होना स्वाभाविक है।

मैंने यहां सिर्फ उन्हीं लोगों का जिक्र किया है जिन्होंने अपने समाज को आगे बढ़ाने के लिये जांगिड़, जांगड़ा, पांचाल, धीमान, सुथार, विश्वकर्मा सरनेम क उपयोग किया न कि शर्मा का। इन्होंने

कभी अपने आप को किसी से कम नहीं आंका और अपने साथ-साथ समाज का भी नाम रोशन किया। मैं इन सभी का हृदय से सम्मान करता हूं और करता रहूंगा।

यदि आप भी देखना चाहते हैं तो गूगल पर जाकर 'विश्वकर्मा पापुलर पर्सन' सर्च करके देख सकते हैं। और हां, हरियाणा से 3 भाई एक्टर व सिंगर हैं जिनको मैं जानता हूं। आकाश जांगड़ा, बलिन्द्र जागड़ा और रवीन्द्र जांगड़ा। यह समाज के लिये कुछ न कुछ करते रहते हैं समाज को आगे बढ़ाने के लिये। अभी कुछ दिन पहले ही अपने समाज की बेटी इशिता विश्वकर्मा ने सारेगामापा में ग्राण्ड फिनाले जीतकर आई है।

अब मैं इस विषय को यहीं समाप्त करके आप सभी को वहीं लाना चाहता हूं जो सबसे अहम विषय है। मैं आप सभी को एक उदाहरण के तौर पर समझाना चाहता हूं।

मान लो कि आपके पांच पुत्र हैं तो उनमें से कोई बड़ा होगा और कोई छोटा। आपका परिवार हंसी-खुशी से जीवन-यापन करता है। हंसते-खेलते आपके पांचो पुत्र बड़े ह७ जाते हैं और उन सभी की शादी हो जाती है। शादी होने के उपरान्त उनमें फूट पड़ने की शुरूआत हो जाती है। उनका पिता होने के नाते आपका यही तो फर्ज बनता है कि आप सभी को साथ बैठाकर समझाइयेगा न कि बंटवारा करियेगा। कोई माता-पिता यह नहीं चाहते कि उनके परिवार में बंटवारा हो। अगर आपकी लाख कोशिशों के बाद भी परिवार का बंटवारा हो जाता है तो मैं आपसे पूछता हूं कि आप पर क्या गुजरेगी? जब परिवार का बंटवारा होता होगा तो मैं मानता हूं कि घर का एक-एक

जब पुत्र एक ही माता-पिता के हैं तो कोई न बड़ा-छोटा होगा ही। पुत्र तो एक ही माता-पिता के हैं। हमारा भी परिवार है। हमारे भी पुत्र छोटे-बड़े होंगे। क्या हमें अपने पुत्रों को यही सलाह देनी चाहिये कि आपस में तकरार करो छोटे-बड़े को लेकर और अलग रहो?

सदस्य अन्दर ही अन्दर टूट जाता है।

एक कहावत है- 'बन्द मुट्ठी में जो ताकत है वो खुली मे नहीं।' यह बात सभी जानते हैं। शायद आप मेरे उदाहरण से समझ ही गये होंगे कि मैं क्या कहना चाहता हूं। हम विश्वकर्मा जी के पांचों पुत्रों में से ही हैं। जब हमारा परिवार बिखरा होगा तो उन पर क्या गुजरी होगी, वे भी तो टूटे होंगे। किसी से भी हमारा घर साझा या बाहर सास्य नहीं है। बस एक शब्द हम सभी के बीच में आया हुआ है, और वह है घमण्ड। घमण्ड इस बात का कि हम तो बड़े हैं और वह छोटे। जब पुत्र एक ही माता-पिता के हैं तो कोई न बड़ा-छोटा होगा ही। पुत्र तो एक ही माता-पिता के हैं। हमारा भी परिवार है। हमारे भी पुत्र छोटे-बड़े होंगे। क्या हमें अपने पुत्रों को यही सलाह देनी चाहिये कि आपस में तकरार करो छोटे-बड़े को लेकर और अलग रहो?

किसी का किसी से कोई भी झगड़ा नहीं है, झगड़ा है तो छोटाई-बड़ाई का। अलग-अलग सभाएं और संगठन बने हैं। तमाम ऐसे संगठन हैं जो काम विश्वकर्मा के नाम पर करते हैं पर संगठन के नाम में विश्वकर्मा शब्द नहीं है। मैं पूछना चाहता हूं कि ऐसा क्यों? आखिर एक सभा भी तो अकेले काम कर सकती है। नाम भी- 'अखिल विश्वकर्मा ब्राह्मण सभा' हो सकती है।

लेकिन कुछ लोग ऐसा नहीं होने देंगे। फिर भी हम सभी को मिलकर एक कोशिश तो करनी चाहिये।

और हां, जिस तरह से शर्मा लिखने का क्रम चला है यदि ऐसे ही चलता रहा तो धीरे-धीरे विश्वकर्मा वंश समाप्त ही हो जायेगा इस धरती से। क्योंकि जब जनसंख्या की गणना होगी तो 'शर्मा' की गणना ब्राह्मण में होगी न कि विश्वकर्मा ब्राह्मण में। अब आप ही बताएं कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो कहां रहेगा विश्वकर्मा ब्राह्मण समाज?

एक बात और याद आई, स्टार भारत टीवी चैनल पर एक सीरियल आता है- 'क्या हाल मिस्टर पांचाल।' यह भी हमारे समाज के लिये गर्व की बात है। मुझे अपने आप पर गर्व है कि मैं 'विश्वकर्मावंशी' हूं। यदि मुझे आगे भी मानव रूप में जन्म मिले तो ईश्वर से प्रार्थना करूंगा कि विश्वकर्मा कुल में ही जन्म देना।

जय विश्वकर्मा।

सभी युगों में होती रही है भगवान विश्वकर्मा की पूजा

कानपुर। भगवान विश्वकर्मा की पूजा और सम्मान सभी युगों में होता रहा है। सपा सरकार आने पर राजधानी लखनऊ में गोमती रिवर फ्रन्ट पर भगवान विश्वकर्मा का भव्य मन्दिर का निर्माण किया जायगा तथा भगवान विश्वकर्मा के पूजा दिवस पर सार्वजनिक अवकाश पुनः घोषित किया जायेगा। उक्त बातें भगवान विश्वकर्मा जयन्ती के अवसर पर कानपुर के सनिगवां रोड पर स्थित भगवान विश्वकर्माधाम मन्दिर में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व मन्त्री राम आसरे विश्वकर्मा ने कही।

अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामआसरे विश्वकर्मा ने कहा कि आज पूरा देश भगवान विश्वकर्मा की जयन्ती मना रहा है। भगवान विश्वकर्मा निर्माण के देवता थे। आदिकाल से ही अपने विशिष्ट ज्ञान और विज्ञान के कारण न मात्र मानवों अपितु देवगणों द्वारा पूजित और वंदित हैं। भगवान कृष्ण के लिए द्वारिकापुरी, भगवान शिव के लिए लंकापुरी, भगवान राम के लिये सेतुसमुद्र निर्माण के साथ इन्द्रपुरी, यमपुरी, वरूणपुरी, कुबेरपुरी, पाण्डवपुरी, सुदामापुरी, शिवमण्डलपुरी आदि का निर्माण भगवान विश्वकर्मा के द्वारा किया गया।

पुष्पक विमान का निर्माण तथा सभी देवों के भवन और उनके दैनिक उपयोग वाली वस्तुएं भी विश्वकर्मा के द्वारा बनायी गयी। कर्ण का कुण्डल, विष्णु भगवान का सुदर्शन चक्र, शंकर भगवान का त्रिशूल, यमराज का कालदण्ड, देवों

मुख्य अतिथि ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा व आरती कर जयन्ती कार्यक्रम की शुरूआत की। जयन्ती कार्यक्रम में आये हजारों विश्वकर्मा समाज के बुद्धिजीवियों और कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए श्री विश्वकर्मा ने कहा कि अखिलेश यादव और नेताजी ने विश्वकर्मा पूजा दिवस पर अवकाश घोषित कर विश्वकर्मा समाज का सम्मान बढाया था। हमारी सरकार आयेगी तो पुनः विश्वकर्मा पूजा का सार्वजनिक अवकाश घोषित करेंगे। गोमती रिवर फ्रन्ट लखनऊ में भगवान विश्वकर्मा का भव्य मन्दिर बनायेंगे। विश्वकर्मा समाज को आबादी के आधार पर अधिकार और योजनाओं का लाभ देंगे। मुख्य अतिथि व

का वज्र का निर्माण भी भगवान विश्वकर्मा के द्वारा किया गया। भगवान विश्वकर्मा को शिल्प के देवता के रूप में देशभर में प्रत्येक वर्ष 17 सितम्बर को पूजा जाता है। इन्हें निर्माण के देवता के रूप में व्रह्मा का दूसरा रूप बताया जाता है। वेदों, उपनिषदों, पुराणों में भगवान विश्वकर्मा की जयन्ती एवं पूजा की अनेक गाथाएं मिलती हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, दिल्ली, तमिलनाडु, गुजरात, मध्यप्रदेश आदि सभी राज्यों में भगवान विश्वकर्मा की भव्य मूर्ति स्थापित की जाती है और उनकी आराधना की जाती है।

देश और दुनिया के विकास और विज्ञान के क्षेत्र में कई आविष्कार भगवान विश्वकर्मा के वंशजों द्वारा किया गया है। साइकिल का निर्माण करने वाले स्काटलैण्ड के मैकमिलन तथा होंडा गाडी का निर्माण करने वाले जापान के साइचिरो होंडा लोहार के बेटे थे। अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन लोहार के बेटे तथा भारत के राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह बढ़ई के बेटे थे। हाकी के जादूगर कहे जाने वाले प्लेयर ध्यानचन्द व दीपा कर्माकर विश्वकमार्वंशी का इतिहास खेल के क्षेत्र में सबसे ज्यादा है।

श्री विश्वकर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार बनते ही योगी सरकार ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा की छुट्टी को निरस्त करके भगवान विश्वकर्मा का अपमान कर दिया। हरियाणा में तो भाजपा सरकार ने विश्वकर्मा दिवस को मजदूर दिवस मनाकर यह दिखा दिया कि भाजपाराज मे विश्वकर्मा की हैसियत मजदूरों से ज्यादा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि आज भाजपाराज में प्रदेश में विश्वकर्मा समाज

के ऊपर लगातार उत्पीड़न, अत्याचार, बलात्कार तथा जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं लेकिन न तो पुलिस कार्यवाही कर रही है और न सरकार सुनवाई कर रही है। उन्होंने आवाहना किया कि विश्वकर्मा विरोधी इस सरकार को 2019 में हटाने और अखिलेश यादव के नेतृत्व में गठबंधन की सरकार बनाने के लिये सभी विश्वकर्मा समाज और पिछड़े वर्ग एकजुट हों जाये। सपा के कारण ही विश्वकर्मा को सम्मान मिलने लगा और इनके बीच राजनीतिक भागीदारी की बात उठने लगी। आज पूरे देश में विश्वकर्मा समाज लोहार, बढ़ई, सोनार, ठठेरा, कसेरा, शिल्पी के रूप में इनकी आबादी बहुत है लेकिन हम गांव और शहरों में बिखरे होने के कारण हमारी जनसंख्या परिलक्षित नहीं होती है और एकजुटता न होने के कारण ताकत दिखायी नहीं देती है। यही हमारे पिछड़ेपन का सबसे बड़ा कारण है। कहा कि विश्वकर्मा समाज अब अपने अधिकारों को लेने के लिये सड़कों पर निकलकर संघर्ष करेगा।

आयोजक रानू विश्वकर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष सूरजबली विश्वकर्मा, राम अवतार शर्मा, डा0 डी0के0 शर्मा, जादूगर ओ0पी0 शर्मा, शिवकुमार शर्मा, छोटे सिंह विश्वकर्मा, जितेन्द्र शर्मा, भारत शर्मा, ओ0पी0 शर्मा, अभय शर्मा, अखिलेश विश्वकर्मा, प्रियम शर्मा, ओम प्रकाश विश्वकर्मा, जगत नारायण शर्मा, सत्यनारायण विश्वकर्मा, इन्द्रकुमार शर्मा, रामकेश शर्मा, दिनेश विश्वकर्मा सहित आदि लोग उपस्थित थे।

–शिव प्रकाश विश्वकर्मा

विश्वकर्मा प्रकटोत्सव पर रेड ब्रिगेड का शपथ ग्रहण सम्पन्न, शहीदों को दी श्रद्धांजलि

जौनपुर। श्री विश्वकर्मा मन्दिर घसीटानाथ (बरईपार) में श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट (रेड ब्रिगेड) जौनपुर द्वारा प्रभु विश्वकर्मा प्रकटोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि कैलाश नाथ विश्वकर्मा (समूह सम्पादक–तरुणमित्र) के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर व भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण तथा हवन पूजन के साथ किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये मुख्य अतिथि कैलाश नाथ विश्वकर्मा ने कहा कि आज इस कार्यक्रम को देखकर ऐसा लगता है कि जो शुरूआत बहुत पहले हो जानी चाहिए थी वह अब हुई है। इसका हमें कष्ट है, लेकिन खुशी भी है कि हमारे समाज के युवा इस बीड़ा को उठाये हैं। हम सभी वरिष्ठ समाज सेवियों को इन युवाओं का सहयोग करते हुए इनका सम्मान करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रेमचंद्र विश्वकर्मा (वरिष्ठ अधिवक्ता मछलीशहर) तथा राम आसरे विश्वकर्मा (प्रदेश महासचिव, रालोद) उपस्थित रहे व कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

रेड ब्रिगेड, जौनपुर के सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को मुख्य अतिथि द्वारा पद व गोपनीयता की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में जम्मू कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए केन्द्रीय सुरक्षा बल के जवानों को श्रद्धांजलि भी दिया गया।

उक्त कार्यक्रम में सुभाष विश्वकर्मा, राजेश विश्वकर्मा, दया शंकर विश्वकर्मा, गामा विश्वकर्मा, राजेश विश्वकर्मा, डॉ0 रवीन्द्र प्रताप विश्वकर्मा, मनोज विश्वकर्मा, फूलचंद्र विश्वकर्मा, कृष्ण चंद्र विश्वकर्मा, डॉ0 पी0 के0 संतोषी, व बी0पी0 विश्वकर्मा, सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरिपाल विश्वकर्मा व संचालन शिव प्रकाश विश्वकर्मा ने किया।

शहीदों को दी श्रद्धांजलि–

विश्वकर्मा जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में 14 फरवरी को पुलवामा में आतंकी हमले में शहीद हुये जवानों को श्रद्धांजलि भी दी गई। आयोजकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम को पूरी तरह रद कर दिया था। विश्वकर्मा मन्दिर परिसर भारत माता की जय, वन्दे मातरम, पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे से गूंज उठा। रेड ब्रिगेड के पदाधिकारियों, अतिथियों तथा उपस्थित सभी लोगों ने एकसुर में पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे के साथ भारत सरकार से मांग किया कि सीआरपीएफ जवानों के शहादत का बदला जल्द ले। भारत सरकार जवानों को खुली छूट दे कि वह ताबड़तोड पाकिस्तान की हर कार्यवाही का मुंहतोड़ जवाब दे सके।

शहीदों को श्रद्धांजलि के बीच विश्वकर्मा जयन्ती पर निकली सद्भावना अभियान रैली

नाशिक। प्रभु विश्वकर्मा प्रकटोत्सव (माघ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी) के शुभ अवसर पर श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट (रेड ब्रिगेड) नाशिक द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सद्भावना अभियान रैली का आयोजन किया गया था, लेकिन जम्मू कश्मीर के पुलवामा में आतंकी हमले में शहीद हुए भारत के वीर सपूतों को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुए इस रैली को सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत रेड ब्रिगेड के सभी सदस्यों एवं स्थानीय प्रशासन के लोगों द्वारा शहीद जवानों को याद करते हुए मौन धारण के साथ हुआ। उपस्थित सभी लोगों ने शहीद जवानों और उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की और ये संकल्प लिया कि, जरूरत पड़ने पर हमारा समाज भी पीछे नहीं रहेगा। तत्पश्चात प्रभु विश्वकर्मा जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पूजा अर्चना कर रैली की शुरूआत नाशिक कार्यालय कालानगर से हुई।

रैली पाथर्डी गांव से होते हुए निकली तो पाथर्डी फाटा पर स्वप्निल देवरे व उपस्थित समाज बंधुओं ने रैली का भव्य स्वागत किया। अम्बड़ गांव से होते हुए रैली लिंक रोड पर पहुंची जहां पर बैजनाथ शर्मा व समाज बंधुओं ने रैली में सम्मिलित सभी को रसपान करवाया और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पण किया।

रैली धीरे—धीरे अशोक नगर, ध्रुव नगर, गंगापुर रोड से होते हुए फुले नगर (पेठरोड) पर पहुंची, जहां पर मंगेश क्षीरसागर के साथ समाज बंधुओं ने बहुत ही जोरदार तरीके से ढ़ोल—बाजे के साथ स्वागत किया। भगवान श्री विश्वकर्मा जी की प्रतिमा पूजन के पश्चात शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पण किया।

पुरातन विश्वकर्मा मंदिर सोमवार पेठ में पालकी पूजन करते हुए जांगिड़ भवन पहुंच कर 'भारत माता की जय, वन्दे मातरम' का नारा लगाते हुए विश्वकर्मा कालोनी पंचक, भगवान श्री विश्वकर्मा मंदिर में पूजन किया गया, व भण्डारे का आनंद उठाया गया। यहां पर डॉ0 संदीप सुतार के मार्गदर्शन में

चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया था, जिसमे समाज बंधुओं ने चेकअप कराया। यहीं पर रैली का समापन किया गया।

रैली में शामिल सभी रेड ब्रिगेड व समाज बंधुओं का श्याम विश्वकर्मा ने आभार व्यक्त किया और समाज को एकजुट रहने का आवाहन किया। रेड ब्रिगेड नाशिक अध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा ने सभी को बधाई दिया। रैली में शामिल होने के लिए मुम्बई से आये अनिल विश्वकर्मा ने पूरे रैली को अपने कैमरे में कैद किया।

रैली में प्रदीप विश्वकर्मा (उपाध्यक्ष), सुभाष विश्वकर्मा (सचिव), अरविंद विश्वकर्मा (कोषाध्यक्ष), नंदकिशोर विश्वकर्मा (ट्रष्टी), राजेन्द्र विश्वकर्मा, प्रवीण शर्मा, राम वर्मा, रविन्द्र विश्वकर्मा, रमाशंकर विश्वकर्मा, विनोद विश्वकर्मा, संतोष विश्वकर्मा (पिंटू), शिव कुमार विश्वकर्मा, हरिश्चंद्र विश्वकर्मा, बेचूलाल विश्वकर्मा, धरम विश्वकर्मा, अर्जुन विश्वकर्मा, श्यामलाल विश्वकर्मा, रामावतार विश्वकर्मा, रामराज विश्वकर्मा, बबलू विश्वकर्मा, सुनील विश्वकर्मा, संतोष विश्वकर्मा, अमरीश विश्वकर्मा, महेश विश्वकर्मा, प्रेमचंद विश्वकर्मा, अनिल पटेल, अरविंद विश्वकर्मा (पुल्ली), दिनेश विश्वकर्मा (लल्ले), भुवाल विश्वकर्मा, भाई लाल विश्वकर्मा, करण विश्वकर्मा, अवधेश विश्वकर्मा, संजय विश्वकर्मा (वाराणसी), दीपक विश्वकर्मा, महेंद्र विश्वकर्मा, प्रशांत कासार, अनिल चौहान, ओमप्रकाश वि0, ओमप्रकाश पाल, अमित कुमार विश्वकर्मा, संतोष विश्वकर्मा, सुरजलाल विश्वकर्मा, राजेंद्र भालेराव, रविंद्र कदम उपस्थित रहे।

सुथार समाज द्वारा आयोजित भजन संध्या में झूम उठे भक्त

मैसूर। विश्वकर्मा सुथार समाज के तत्वावधान में विश्वकर्मा जयन्ती के उपलक्ष्य में भजन संध्या व रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम आराध्य देव विश्वकर्मा भगवान की तस्वीर पर पुष्पहार पहनाकर कर ज्योत प्रज्वलित कर प्रसादी का भोग चढ़ा कर पंडित शंकरलाल द्वारा विशेष विधि विधान से पूजा अर्चना सम्पन्न कर धर्मसभा का शुभारम्भ किया गया। साथ ही शहीद जवानों के प्रति दो मिनट का मौन रख कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

गायक चन्द्र प्रकाश सीरवी एवं समूह द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। सुथार समाज के गणेश मल सुथार, शिव राम सुथार, करना राम सुथार, नरपत सुथार, बंशी लाल, मोडा राम पुरोहित, मोडा राम माली, प्रताप सिंह देवकी, चरण सिंह शेखावत सहित बड़ी संख्या में राजस्थानी भक्तगण मौजूद रहे।

पांचाल समाज ने विश्वकर्मा जयन्ती पर दी अनूठी मिसाल

नागदा (उज्जैन)। पुलवामा में हुई आतंकी घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। यहां तक कि 17 फरवरी विश्वकर्मा जयन्ती के दिन भी विभिन्न जगहों पर लोगों का आक्रोश फूटा साथ ही शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

खासतौर पर पांचाल समाज ने घटना के विरोध में विश्वकर्मा जयन्ती पर होने वाले सभी कार्यक्रमों को निरस्त कर केवल समाज का चल समारोह निकाला। वह भी बिना किसी शोर गुल के। यह पहला ऐसा समाज था जिसके धार्मिक चल समारोह में न तो बैंड बाजे नजर आए और न ही डीजे की धुन सुनाई दी। समाजजन अपने आराध्य देव भगवान विश्वकर्मा की जयन्ती पर उत्सव मनाने की जगह पुलवामा की घटना के विरोध स्वरूप हाथों में तिरंगा और देशभक्ति के नारे लगाते हुए चल रहे थे। चल समारोह सुबह 10 बजे श्रीराम कॉलोनी स्थित विश्वकर्मा मन्दिर से सुबह पूजा और आरती के बाद प्रारम्भ हुआ जो बस स्टैण्ड, जवाहर मार्ग, पं0 दीनदयाल उपाध्याय चौक, गुर्जर मोहल्ला, रामसहाय मार्ग, नगर पालिका होते हुए पांचाल धर्मशाला पहुंच समापन हो गया।

इन कार्यक्रमों को भी कर दिया गया निरस्त—

पांचाल समाज द्वारा हर वर्ष भगवान विश्वकर्मा जयन्ती को उत्सव के रूप में मनाने के लिए धार्मिक आयोजन के साथ कई तरह की प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाता रहा है। इस वर्ष भी समाज द्वारा दो दिवसीय आयोजन रखा गया था, जिसमें महिला मंडल की

अगुवाई में मेंहदी, रंगोली, सामान्य ज्ञान, चित्रकला आदि प्रतियोगिता होना थी। लेकिन पुलवामा की घटना को देखते हुए प्रतियोगिता सहित सभी आयोजन को निरस्त कर दिया गया। यहां तक कि समाज के वरिष्ठों का सम्मान और अतिथियों के उद्बोधन तक से किनारा कर मात्र आंतकी घटना में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि दी गई।

कार्यक्रम में यह रहे मौजूद—

चल समारोह में समाज के संरक्षक जगदीश विश्वकर्मा, संयोजक छगनलाल पांचाल, अध्यक्ष प्रभुलाल पांचाल, भंवरलाल पांचाल, सत्यनारायण पांचाल, दिलीप पांचाल, मोहन पांचाल, अशोक पांचाल, अनिल पांचाल, नागेश्वर पांचाल, सुनीता पांचाल, नरेश पांचाल, यशवंत पांचाल, शिवनारायण पांचाल, भैरूलाल पांचाल, दिनेश मंडोवरा, हरीश पांचाल, जयश्री पांचाल, राधा पांचाल, पूजा पांचाल, कल्पना पांचाल, सुनीता पांचाल, शोभना पांचाल, भगवंता बाई पांचाल, संगीता पांचाल, मीरा पांचाल, शांति पांचाल, विष्णु पांचाल, यशोदा पांचाल, मुन्नी पांचाल, कमला पांचाल, पुष्पा पांचाल, संतोष पांचाल, कोमल पांचाल, लीला पांचाल सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

सुजानगढ़ में 75 प्रतिभाओं का किया सम्मान

सुजानगढ़ (राज0)। विश्वकर्मा जयन्ती के अवसर पर जांगिड़ समाज की ओर से शोभायात्रा निकाली गई। नृसिंह भगवान मंदिर से शुरू हुई शोभायात्रा विश्वकर्मा भवन पहुंची। शोभायात्रा में भगवान विश्वकर्मा, सुभाषचंद्र बोस व पुलवामा के शहीदों की झांकियां भी सजाई गई। समारोह के मुख्य अतिथि रामकुमार सीलग थे। बाद में विश्वकर्मा भवन में हुए कार्यक्रम में समाज की 75 प्रतिभाओं, मेहंदी, चित्रकला व रंगोली प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। मंत्री बाबूलाल आसलिया ने आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। डॉ0 एस0एन0 जांगिड़ ने विचार व्यक्त किए। अध्यक्षता बैंक मैनेजर जनार्दन जांगिड़ ने की। इससे पूर्व सुबह महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। समाज के गजानंद बोदलिया, गिरधारी सिलग, रामाकिशन धामु, बाबूलाल जायलवाल, भंवरलाल सांचोरिया, नानूराम सिलग, मगाराम सीघड़, पेमाराम किंजा, सहदेव दम्मीवाल, पूर्णमल किंजा उपस्थित थे। डॉ0 नीलम जांगिड़ ने आभार जताया। संचालन चैनरुप किंजा व ललिता झींटावा ने किया।

कुमावत समाज ने विश्वकर्मा जयन्ती पर निकाला चल समारोह

मंदसौर। भगवान श्री विश्वकर्मा जयन्ती के अवसर पर कुमावत समाज द्वारा चल समारोह निकाला गया। नरसिंहपुरा स्थित श्रीराम जानकी मंदिर से प्रारम्भ हुआ चल समारोह विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पर पहुंचा। चल समारोह का अनेक स्थानों पर सामाजिक संगठनों एवं समाजजनों ने स्वागत किया। इससे पहले सुबह समाजजनों ने वर्ष भर अपने कार्य में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न औजारों की पूजा अर्चना की।

विश्वकर्मा जयन्ती पर कुमावत समाज ने हर्षोल्लास के साथ चल समारोह निकाला। सुबह समाजजन नरसिंगपुरा स्थित श्रीराम जानकी मंदिर पर एकत्र हुए। यहां पर भगवान श्रीराम एवं भगवान विश्वकर्मा की महाआरती हुई। पूजन अर्चन के बाद बग्गी में भगवान विश्वकर्मा की झांकी सजाई गई। इसके बाद जयकारों के साथ मंदिर से चल समारोह प्रारम्भ हुआ। चल समारोह भगत नगर, राम टेकरी रोड, रेवास देवडा रोड, नरसिंह घाट से होते हुये पुनः राम जानकी मंदिर पर पहुंचा। गाजे-बाजे के साथ निकले चल समारोह में महिलाएं व युवतियां गरबा नृत्य करते हुए चल रही थी युवा भी जमकर थिरकते हुए नजर चलते रहे।

चल समारोह का मार्ग में अनेक स्थानों पर सामाजिक संगठनों, समाजों और परिवारों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। कुमावत युवा संगठन के उपाध्यक्ष बलराम पटेल कुमावत, उकारलाल कुमावत, संतोष कुमावत, सुरेंद्र कुमावत, ओमप्रकाश बारोदिया, अशोक कुराडिया, पंकज कुमावत, कन्हैयालाल कुमावत, सुनील बारोदिया, बंटी कुमावत, धीरज कुमावत, जगदीश कुमावत सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद थे।

जांगिड़ समाज ट्रस्ट ने हर्षोल्लास से मनाई विश्वकर्मा जयन्ती

बेंगलुरू। जांगिड़ समाज ट्रस्ट के बिन्नी मिल रोड स्थित भगवान विश्वकर्मा मन्दिर में विश्वकर्मा जयन्ती हर्षोल्लास से मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ गणनानंद आश्रम के स्वामी शिवात्मानंद सरस्वती ने दीप प्रज्वलित कर शहीदों को श्रद्धांजलि देकर किया। प्रारम्भ में प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। स्वामी ने शिक्षा में जागरूकता पर जोर दिया और ट्रस्ट के कार्यों को सराहा। इस मौके पर वार्षिक कार्यक्रमों की बोलियां लगाई गईं। देर रात तक सत्संग चला।

अध्यक्ष तेजेश लुंजा ने समाज को बधाई देते हुए बीते वर्ष के कार्यों से अवगत कराया। संस्था प्रमुख रामचंद्र, पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल, राष्ट्रीय महासभा के प्रदेशाध्यक्ष गिरधारीलाल व अन्य पदाधिकारियों व युवा टीम के प्रयासों से आयोजन सफल हुआ। भंवरलाल गूगरिया परिवार ने मंदिर पर ध्वजा चढ़ाई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थित होकर भगवान के दर्शन किये।

विश्वकर्मा जयंती पर जांगिड़ समाज की प्रतिभाओं का किया सम्मान

राजगढ़। जांगिड़ समाज के आराध्य देव भगवान विश्वकर्मा जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह बालावास स्थित जांगिड़ छात्रावास में सादगी पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम से पूर्व अतिथियों ने पुलवामा में शहीद हुए सैनिकों के सम्मान में 5 मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ आयकर अधिकारी गिर्राज प्रसाद जांगिड़ एवं आईटी आचार्य कृष्ण मोहन जांगिड़ ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस मौके पर समाज के तहसील क्षेत्र की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। समाज के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार जांगिड़ ने बताया कि समारोह में अतिथियों ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर अध्ययन के लिए प्रेरित किया। समारोह में प्रशंसा पत्र, स्मृति चिह्न एवं एक-एक हाथ घड़ी देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर गोविंद राम जांगिड़, बनवारी लाल जांगिड़ , गिर्राज प्रसाद, सुरेश धीमान, ओंकार प्रसाद, बाबूलाल जांगिड़, रतनलाल, रामजीलाल, रामअवतार, किशनलाल व प्रहलाद जांगिड़ सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन गणेशी लाल ने किया। इससे पूर्व प्रातः भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना एवं हवन किया गया।

विश्वकर्मा जयंती महोत्सव पर यज्ञ व भजन संध्या, प्रतिभाओं को किया सम्मानित

जैसलमेर। शहर के भवानीपुरा स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर प्रांगण में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान श्री विश्वकर्मा की जयंती महोत्सव बड़े धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। संस्थान के अध्यक्ष अमराराम कुलरिया ने बताया कि शहर के भवानीपुरा स्थित श्री विश्वकर्मा मंदिर प्रांगण में भगवान विश्वकर्मा की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जयंती से पूर्व संध्या पर भजन संध्या का आयोजन किया गया जहां वादकों द्वारा भजनों की सुर-सरिता बहाई गई। कुलरिया ने बताया कि रात्रि भजन संध्या के बाद प्रातः काल 7 बजे मन्दिर परिसर में यज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें आचार्य पंडित अशोक दाधीच के सानिध्य में अनिल नागल पोकरण व गणेश लूंजा बारहठ का गांव ने करीबन 3 घंटे तक यज्ञ में आहुतियां दी। यज्ञ के बाद मंदिर परिसर में आमसभा का आयोजन किया गया। इसमें समाज के बंधुजनों द्वारा अपने-अपने प्रस्ताव रखें तथा आमसभा के दौरान शिक्षा के क्षेत्र व अन्य विभिन्न उच्चतर कक्षाओं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले प्रतिभाशाली प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

श्री विश्वकर्मा जयंती का दो दिवसीय महोत्सव संपन्न
118 गांवों के सुथार समाज के लोगों ने लिया भाग
समाज की 880 प्रतिभाओं को किया सम्मानित

जैसलमेर। श्री विश्वकर्मा जयन्ती महोत्सव के तहत बारवा में दो दिवसीय महोत्सव आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न प्रकार के धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 118 गांवों के लोगों ने भाग लिया। मेले में विधायक पुष्पेंद्र सिंह राणावत ने शिरकत करते हुए कहा कि समाज में एकता रखते हुए शिक्षा की अलख जगाओ शिक्षा से ही समाज का विकास होता है। महोत्सव के तहत पहले दिन रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 96 पुरुषों व 7 महिलाओं सहित कुल 103 जनों ने रक्तदान किया। साथ ही भविष्य के लिए 535 सुथार समाज के लोगों ने अपने रक्त की जांच करवाई।

महोत्सव में भजन संध्या का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से आए भजन कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। श्री विश्वकर्मा वंश सुथार सेवा संस्थान बारवा के अध्यक्ष हरिलाल सोलंकी ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

880 प्रतिभावानों को किया सम्मानित–

समारोह में समाज के शिक्षा सहित अन्य क्षेत्रों में विशेष योग्यता रखने वाले श्रेष्ठ 880 छात्र-छात्रा प्रतिभावानों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुखराज, अशोक कुमार, कुंदनमल सादड़ी, दिनेश सादड़ी, रतन सेवाड़ी, कपूर सुथार, जीवराज, लखमाराम, मोहनलाल, खीमाराम, दानाराम, घीसूलाल, पकाराम, मदनलाल सहित 118 गांवों के सुथार वंश के लोगों ने भाग लिया।

तारानगर में अंगीरा कल्प पुस्तक का विमोचन

तारानगर। विश्वकर्मा जयन्ती के अवसर पर तारानगर में अंगीरा कल्प पुस्तक का विमोचन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अध्यक्षता कुरड़ाराम छाबड़ा ने की। मुख्य अतिथि कृष्णराम धामु थे। विशिष्ट अतिथि सुगनाराम बरवाड़िया, गोपीराम मिषण, गिरधारीलाल राजोतिया, महेश दनेवा, मनसुख सामड़ीवाल, विद्याधर बरनेला थे। सुबह हवन किया गया, जिसमें समाज के लोगों ने आहुतियां देकर सुख-समृद्धि की कामना की। अतिथियों ने अंगीरा कल्प पुस्तक का विमोचन किया। वक्ताओं ने कहा कि इस पुस्तक में विश्वकर्मा महाराज व समाज से जुड़ी जानकारियों को संकलन किया गया, जो प्रत्येक व्यक्ति के लिए उपयोगी व सार्थक है। कार्यक्रम को मांगेराम छाबड़ा, हनुमान प्रसाद, तनसुख जांगिड़ ने सम्बोधित किया।

इस मौके पर पालिका वित्त समिति अध्यक्ष राकेश दम्मीवाल, राष्ट्रीय गौसेवा समिति उपाध्यक्ष बाबूलाल दम्मीवाल, रामचंद्र छाबड़ा सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। संचालन जसवंत जांगिड़ ने किया।

श्रेया एसोसिएट्स

धावा स्टेट, निकट मटियारी, लखनऊ-226028

Shreya Associates

विश्वकर्मा समाज के प्रति व विश्वकर्मा समाज के लिये मेरे विचार

Founder & M.D.
Poonam Vishwakrma

एक समय था, जब लोग विश्वकर्मा वंशियों का मान–सम्मान करते थे और करें भी क्यों न भई हम विश्वकर्मा (सृष्टि रचयिता) के वंशज हैं। परन्तु आज तो ऐसा नहीं दिखता, हम पिछड़े हुये हैं, क्योंकि विश्वकर्मा समाज में अशिक्षा है, एकता नहीं है। बड़े ही दु:ख के साथ कहना पड़ता है, कि हमारे विश्वकर्मा समाज में लोग हाथ बढ़ाकर मदद करने के बजाय पैर पकड़कर खींचने का प्रयास करते हैं।

कभी आपसे किसी ने कहा है– तुम कितने लोग हो? हह! तुम क्या कर सकते हो? तुमसे जो हो सकता है, कर लो। देखते हैं कौन है तुम्हारे पीछे।

जब स्वाभिमान को ठेस पहुंचता है, मन घायल होता है, तो बहुत ग्लानि होती है ना।

कभी आपने खुद के प्रश्न किया है, कि हमारी वास्तविकता क्या है, हम सर्वश्रेष्ठ कैसे हैं? हम हैं कौन?

अब यदि आपको लगता है, कि आप अपने लिए, धर्म के अस्तित्व के लिए, विश्वकर्मा वंशियों के अस्तित्व के लिए कुछ कर सकते हैं तो आइए साथ मिलकर ललकार करें, प्रभु विश्वकर्मा की जय जयकार करें।

मैं पूनम विश्वकर्मा फाउण्डर ऑफ श्रेया एसोसिएट्स, मैं व्यवहारिक रूप से व अपने फर्म के माध्यम से रोजगार क्षेत्र में विश्वकर्मा समाज के लोगों को प्राथमिकता देती हूं। मेरा उद्देश्य विश्वकर्मा समाज को आगे बढ़ाना है, इसके लिए मैंने निरन्तर व तत्पर रूप से कार्य किया है, विश्वकर्मा समाज में जरुरतमंद की मदद भी किया व आगे भी करती रहूँगी।

विश्वकर्मा समाज के प्रति मेरे उद्देश्य की पूर्ति के लिए परिवार के रुप में सहयोगी/ भागीदार बनें, क्योंकि हम सब एक परिवार हैं।

यदि आपके धमनियों में प्रभु विश्वकर्मा का रक्त है तो एकता की शक्ति को पहचानिए, भेदभाव खत्म कीजिए, शिक्षित बनिए, समाज में विश्वकर्मा परिवारों से मेल जोल/परिचय/ पहचान बढ़ाइए, किसी विश्वकर्मा परिवार के दु:ख की घड़ी में अन्य विश्वकर्मा परिवारों व अपने स्वयं से जो मदद कर सकते हैं, कीजिए।

एक बात याद रखिये, आज आप विश्वकर्मा समाज/परिवार के लिए खड़े हैं, तो कल व अनन्त काल तक विश्वकर्मा समाज/परिवार आपके मदद के लिए खड़ा रहेगा। अत: अपने पांव पसारिये। अनेक विश्वकर्मा, संगठन अध्यक्ष, राजनेता, कार्यकर्ता, डॉक्टर, समाजसेवक, अधिकारी के रुप में विश्वकर्मा समाज को और बड़ा बनाने में प्रयासरत हैं, आप भी प्रयास कीजिए, आपका योगदान महत्वपूर्ण है।

आप विश्वकर्मा (सृष्टि रचयिता) के वंशज हैं, आप कुछ भी कर सकते हैं।

Poonam Vishwakarma

Founder & M.D.
Poonam Vishwakrma

shreyaassociates.com
+91 9628545000 +91 7897060124
shreyaassociates913@gmail.com
facebook.com/shreyaassociateslko
Shreya Associates
linkedin.com/in/shreyaassociateslko

बनवाएँ अपने सपनों का घर

हमारे यहाँ सभी प्रकार के भवन के नक्शे एवं निर्माण का कार्य कुशल इंजीनियरों के देखरेख में कान्ट्रेक्ट बेस पर किया जाता है।

हमारी सेवाएं

★ डिजाइन, ड्राइंग (नक्शा), इस्टीमेट, वैल्युवेशन।

★ सभी सिविल कंस्ट्रक्शन वर्क एक्सटीरियर व इन्टीरियर डिजाइन के साथ।

★ एडवाइजर एडवोकेट्स

★ 600 वर्गफुट एरिया का ए.सी. हॉल पार्टी/मीटिंग एवं अन्य कार्यक्रम हेतु 24 घंटे उपलब्ध है।

एक बार सेवा का मौका अवश्य दें।

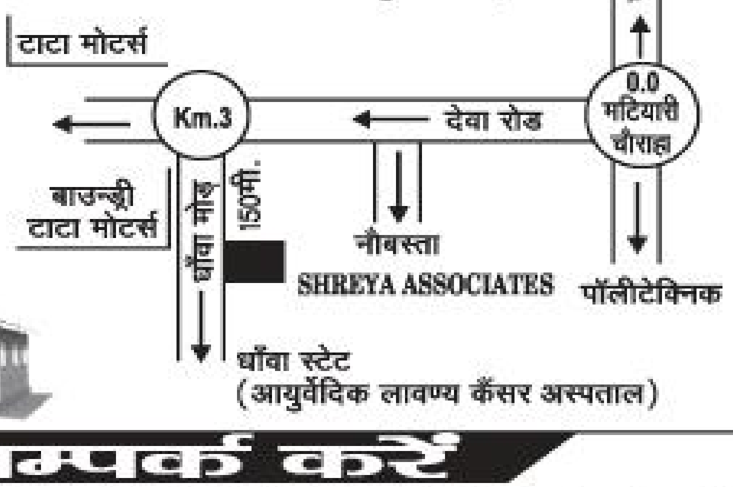

सम्पर्क करें

SHREYA ASSOCIATES

Plot No. 310, Dhawa State, Goyala, Chinhat, Lucknow-226028

E-mail : shreyaassociates913@gmail.com, Website : www.shreyaassociates.com

Mob. 9628545000, 7897060124

भारत में भूख की समस्या और खाद्य की बर्बादी (विस्तारण) कारण और निवारण

अनिल कुमार शर्मा
विभागाध्यक्ष
वनस्पति विज्ञान
बनारसी लाल सर्राफ वाणिज्य महाविद्यालय, नवगछिया, तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर
मोबाइल : 9939266560

भारत घनी आबादी वाला देश है यहां की जनसंख्या लगभग 1.324 बिलियन है। इस समय विश्व में 195 देश हैं। भारत में भूख की समस्या काफी गंभीर है। दुनिया भर में विकासशील देशों में भुखमरी की समस्या इण्टरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इन्स्टीट्यूट के रिपोर्ट के आधार पर भारत 119 देशों में से 100वें स्थान पर है। भारत बांग्लादेश एवं नेपाल से भी पीछे है विश्व में भूख से पीड़ित लोगों में से २५% लोग सिर्फ भारत में ही निवास करते हैं। भारत में बाल कुपोषण की स्थिति भी काफी गंभीर है। यहां पर लगभग सा८+२ 19 करोड़ कुपोषित है। ऐसे कुपोषित लोगों में वे सभी सम्मिलित किए जाते हैं जिन्हें या तो भर पेट खाना नहीं मिलता है या तो उन्हें समुचित संतुलित आहार नहीं मिल पाता है।

भुखमरी का कारण अनावश्यक खाद्य की बर्बादी है हरित क्रांति, श्वेत क्रांति, नील क्रांति, रजत क्रांति हुई। पशुपालन में प्रगति हुई लेकिन जिस दर से हमारी जनसंख्या बढ़ रही है उस प्रतिशतता में अभी भी खाद्य उत्पादन में हम पीछे हैं। यहां खाद्य का उत्पादन तो हम कर लेते हैं लेकिन उसका भंडारण, संरक्षण एवं उपयोग अच्छी तरह नहीं कर पाते हैं। खाद्य पदार्थ का उत्पादन हो जाता है लेकिन भंडारण के पश्चात उसका सही समय पर मंडी तक पहुंच जाना भी आवश्यक होता है और मंडी से जरूरतमंद लोगों तक सही समय पर पहुंचना आवश्यक है। लेकिन इस खाद्य पदार्थ को जरूरतमंद लोगों तक पहुंचने में विलंब हो जाती है जिससे खाद्य पदार्थ सड़ गल कर बर्बाद हो जाते है। हमारे समाज में पारिवारिक भोजन, सामाजिक समारोह, होटल आदि में भी अत्यधिक खाद्य पदार्थ बर्बाद हो जाता है जिसके कारण जरूरत से अधिक भोजन का बन जाना है या परोसने की ज्ञान की कमी है। इसके लिए भोजन परोसने वाले एवं खाने वाले दोनों ही जिम्मेदार हैं। भोजन परोसने वाले का थाली में या पत्तल में उतना ही भोज्य पदार्थ डालने चाहिए जितना खाने वाले को लेना चाहिये और खाने वाले को भी चाहिए कि उतना ही भोजन लें जितना वह खा सके, थाली या पत्तल में ना छोड़े। भोजन तैयार करने वाले भी भोज्य पदार्थ की बर्बादी के लिए जिम्मेदार हैं क्योंकि वह उतना ही भोज्य पदार्थ पकावें जितने की जरूरत हो। यदि आवश्यकता से अधिक भोज्य पदार्थ बन जाय तो उसका उचित रखरखाव भी आवश्यक है।

भारत में भूख की समस्या के समाधान के लिए इसके मुख्य कारण खाद्य पदार्थ की बर्बादी को रोकना है। खाद्य पदार्थ की बबार्दी को रोकने के लिए जन जागरण लाना होगा, समाज में आम लोगों में गृह विज्ञान का ज्ञान का प्रचार-प्रसार करना ह6ोगा, खाद्य पदार्थों की बर्बादी से हो रहे भुखमरी की समस्या के सम्बन्ध में आम नागरिकों को समझाना होगा। जिस तरह शराबबंदी के लिए मुख्यमन्त्री बिहार सरकार के द्वारा बिहार में मानव श्रृंखला बनवाया गया उसी तरह प्रधानमंत्री को भारत में भूख की समस्या के समाधान के लिए ९खाद्य सामग्री की बबार्दी को रोकना९ और 'भुखमरी को दूर भगाने' के लिये मानव श्रृंखला बनवाना उचित प्रतीत होता है।

सरकार को नियमनिर्मित कर खाद्य पदार्थ की बर्बादी को दण्डनीय अपराध घोषित करनी चाहिए। हमारे जनप्रतिनिधियों को जगह-जगह कॅम्युनिटी फ्रिज लगवाना चाहिए एवं आम लोगों को निर्देश दिया जाना चाहिए कि यदि व्यक्तिगत प्रतिदिन के भोजन में या परिवारिक भोजन में या सामाजिक भोजन में आवश्यकता से अधिक भोज्य पदार्थ निर्मित हो गया हो तो वे फ्रिज में डाल दें। उस फ्रिज के जमा भोज्य पदार्थ को जरुरतमंद लोगों तक पहुंचाया जाए। कोई भी व्यक्ति निर्मित भोज्य पदार्थ को ना फेकें। समय-समय पर भोजन निर्माण करने एवं परोसने का प्रशिक्षण आम जनता को देना चाहिए। खाद्य पदार्थ की बर्बादी को रोकने के लिए समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, विद्वानों, छात्रों, गृह विज्ञान विशेषज्ञों की, मीडिया, सोशल मीडिया, गैर सरकारी संगठन को समाज में जन जागृति लाने में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए एवं सरकार को भी ठोस कदम उठाना चाहिए।

विश्वकर्मावंशी सी० रामा कृष्णा चेरी ने पर्यावरण क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पाई उपलब्धि

वाराणसी। बिगड़ती आबो-हवा वर्तमान में सबसे बड़ी वैश्विक चिंता है, जिसे दूर करने की कवायद भी जारी है। ऐसे में उन प्रोफेशनल्स की मांग बढ़ जाती है, जो पर्यावरण इंजीनियरिंग में विशेष दक्षता रखते हैं। इनकी राय न सिर्फ पर्यावरण को सुधारने के लिए कारगर हैं, बल्कि इससे भविष्य की चुनौतियों से भी निबटा जा सकता है। कुछ इसी भूमिका को सालों से निभाते आ रहे हैं तेलंगाना प्रदेश के नालगोंडा जिला के मूल निवासी और कुवैत में बतौर वरिष्ठ पर्यावरण इंजीनियर कार्यरत सी० रामा कृष्णा चेरी। बीते माह वह प्रवासी भारतीय सम्मेलन में हिस्सा लेने वाराणसी आये थे।

सी० रामा कृष्णा चेरी का जन्म नालगोंडा जिला स्थित पालीवला गांव के एक साधारण लोहार परिवार में हुआ था। अभाव के बावजूद माता-पिता (सी० सोभाग्या व सी० मल्ला चेरी) ने रामा कृष्णा सहित तीनों बच्चियों की परवरिश व शिक्षा-दीक्षा का हर संभव जतन किया। प्राथमिक शिक्षा से लेकर इण्टर तक की पढ़ाई क्रमशः पालीवला व निजामाबाद के सरकारी स्कूलों से की। कड़ी मेहनत और देश-दुनिया में मुकाम हासिल करने के जज्बे ने रीजनल इंजीनियरिंग कालेज में प्रवेश का मार्ग प्रशस्त किया। स्नातक के बाद रामा कृष्णा ने न्यूलैंड लैबोरेट्रीज, हैदराबाद के साथ अपने पेशेवर करियर की शुरुआत की। कुछ ही समय में तकनीकी कौशल और कार्य में दक्षता ने उन्हें प्रबंधन की निगाह में ला दिया। इसके बाद करियर को और भी विस्तार देने के इरादे से रामा कृष्णा कुवैत चले गए। वर्तमान में वे कुवैत ऑयल कंपनी में बतौर वरिष्ठ पर्यावरण विशेषज्ञ के रूप में कार्यरत हैं। इसके अलावा रामा कृष्णा विश्व

एनआरआई परिषद-भारत व अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सेफ्टी प्रोफेशनल्स (एएसएसपी) के सदस्य हैं। साथ ही वे संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण की मेजबानी में लाइफ साइकल इनिशिएटिव कार्यक्रम में स्वैच्छिक योगदान भी देते हैं।

समूचे परिवार की है सफलता–

रामा कृष्णा कहते हैं कि, ह्यअभाव के बावजूद माता-पिता हमेशा हौसला बढ़ाते रहे। वहीं २०१३ में शामिली संग परिणय सूत्र में बंधने के बाद जिंदगी बदल गई। पराए मुल्क में हर कदम पर मुझे पत्नी का साथ मिला। परिवार का हर सदस्य हर कदम पर मेरे साथ खड़ा है। मेरी कामयाबी माता-पिता के योगदान व पत्नी के साथ के बिना संभव नहीं थी।

पर्यावरण और स्वास्थ्य के प्रति कर रहे जागरुकता–

रामा कृष्णा कुवैत, भारत सहित दुनिया के अन्य देशों में स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण लोगों को बतौर विशेषज्ञ प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। वहीं कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी बतौर वक्ता शिरकत की, जहां एचएसई विशेषज्ञों के साथ मंच साझा करने का मौका मिला। रामा कृष्णा कहते हैं कि, 'एनजीओ को पर्यावरण कल्चर से रुबरू करने के मकसद से हमने 2015 में गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) का गठन किया। साथ ही एनवायरमेंटल एक्सीलेंस

कई पदों पर रहकर पाये हैं कई पुरस्कार

अवार्ड कार्यक्रम तैयार कर एएसएसपी कुवैत चैप्टर में लागू कराया।'

प्रवासियों की समस्याओं का करते समाधान–

सी० रामा कृष्णा चेरी वर्ल्ड एनआरआई काउंसिल (कॉरपोरेट अफेयर्स मंत्रालय, भारत द्वारा स्वीकृत) के अस्थाई निदेशक हैं। इस मंच से वे एनआरआई समुदाय को सशक्त बनाने व उनकी समस्याओं का समाधान करने की दिशा में प्रयासरत हैं।

सी० रामा कृष्णा चेरी की उपलब्धियां–

–वर्ल्ड एनआरआई काउंसिल मध्य-पूर्व क्षेत्र के अस्थाई निदेशक।

-हाइड्रोजन-सल्फाइड सुरक्षा प्रशिक्षण मानक समिति-एएसएसपी, यूएस के सदस्य।

-एएसएसपी पर्यावरणीय अभ्यास विशेषज्ञता-यूएसए के सलाहकार बोर्ड के सदस्य।

-एएसएसपी कुवैत चैप्टर के सलाहकार समिति के सदस्य।

मिले यह पुरस्कार–

वर्ष २०१8 में कुवैत ऑयल कार्पोरेशन की ओर से एप्रीशिएशन अवार्ड, तमिलनाडू इंजीनियर्स फोरम की ओर से इंजीनियरिंग एक्सीलेंस गोल्ड अवार्ड व इसी वर्ष एएसएसपी-यूएसए की ओर से चार्ल्स वी० कुलबस्ट्रन आउटस्टैंडिंग वालंटियर सर्विस अवार्ड। वहीं कुवैत चैप्टर सेफ्टी प्रोफेशनल ऑफ द ईयर-२०१6, डिस्टिंग्विस यंग अलुमनी पब्लिक सर्विस अवार्ड-२०१6, सीईओ एचएसएसई अवार्ड-२०14 व 15, एमडी एचएसएसई अवार्ड-२०१3 आदि से भी नवाजे गए हैं।

विश्वकर्मा लोकसेवा प्रतिष्ठान महिला मण्डल का हल्दी कुमकुम समारोह सम्पन्न

पुणे। श्री विश्वकर्मा लोकसेवा प्रतिष्ठान महिला मण्डल द्वारा मकर संक्रान्ति एवं हल्दी कुमकुम कार्यक्रम का आयोजन कालेवाड़ी स्थित मयूर मिलन हाल में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा के राष्ट्रीय सचिव दिनेश भाई शर्मा रहे। कार्यक्रम में महिला मण्डल द्वारा भक्ति भजनों की प्रस्तुति की गई। हजारों की संख्या में उपस्थित महिलाओं ने अपनी एकता का भी परिचय दिया। मुख्य अतिथि दिनेश भाई शर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि विश्वकर्मा लोकसेवा प्रतिष्ठान द्वारा किया जा रहा प्रयास बहुत ही सराहनीय है। वर्ष में कुल मिलाकर 7–8 कार्यक्रम करना किसी भी संगठन के लिये मायने रखता है। उन्होंने आयोजकों को शुभकामनाएं दी।

प्रतिष्ठान के अध्यक्ष जयराम शर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा लोकसेवा प्रतिष्ठान प्रत्येक वर्ष यह कार्यक्रम आयोजित करता है। प्रतिष्ठान के कार्यक्रमों की सूची में विश्वकर्मा पूजा, विश्वकर्मा जयन्ती, होली मिलन, दीपावली मिलन, गणेश पूजा, मकर संक्रान्ति एवं हल्दी कुमकुम, चिकित्सा शिविर, रक्तदान शिविर आदि सम्मिलित हैं।

महिला मण्डल के इस कार्यक्रम में सभी महिलाओं को भगवान विश्वकर्मा की फोटो, कैलेण्डर व प्रसाद देकर सम्मानित किया गया। आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों का भी सम्मान

नारियल देकर व शाल ओढ़ाकर किया गया। इस अवसर पर कुछ महिलाओं को जिम्मेदारी भी दी गई। आशा देवी विश्वकर्मा को कालेवाड़ी, मन्नो देवी विश्वकर्मा को थेरगांव, ऊषा विश्वकर्मा को भोसरी, पार्वती विश्वकर्मा को विश्रांतवाड़ी, सुपत्ती विश्वकर्मा को चन्दननगर तथा प्रमिला शर्मा को आकुर्डी का विभाग प्रमुख बनाया गया है।

इस अवसर पर संस्था के सभी पदाधिकारीगण व सदस्यगण उपस्थित रहे।

श्री विश्वकर्मा गुजराती समाज ने मनाई विश्वकर्मा जयन्ती
शहीदों की सहायता के लिए 52 हजार का चेक कलेक्टर को सौंपा

रिपोर्ट– मुकेश विश्वकर्मा

देवास। जम्मू कश्मीर के पुलवामा मे हुए आतंकी हमले में शहीद होने वाले 40 जवानों के प्रति लोगों में जहां श्रद्धा का भाव है, वहीं आतंकियो के प्रति भारी आक्रोश है। देशभर से लोग रोजाना पाकिस्तानी आतंकियो का खात्मा करने की मांग सरकार से कर रहे हैं। इसके साथ ही देशभर के लोगों ने संवेदनशीलता दिखाते हुए शहीद जवानों के परिवार की आर्थिक मदद के लिए भी मुहिम शुरू कर दी है।

श्री विश्वकर्मा गुजराती समाज प्रवक्ता उमेश शर्मा ने बताया कि श्री विश्वकर्मा गुजराती समाज ने जम्मू कश्मीर के पुलवामा मे आतंकी हमले मे शहीद हुए सैनिकों के परिजनो के लिए 52 हजार 62 रूपए की सहायता राशि का चेक देवास कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर श्रीकांत पाण्डेय को सौंपा, जिसकी कलेक्टर ने प्रशंसा करते हुए सराहा।

समाज ने यह सहयोग भेंट करने की भूमिका विश्वकर्मा जयन्ती के दिन ही बना ली थी। श्री विश्वकर्मा गुजराती समाज द्वारा विश्वकर्मा जयन्ती महोत्सव के अवसर पर भगवान विश्वकर्मा की पूरा–आराधना के साथ ही पुलवामा के शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिये 1100 आहुतियों का भी हवन किया।

विश्वकर्मा जयन्ती के अवसर पर छात्र–छात्राओं और कई प्रतिभाओं का सम्मान भी किया गया। मुख्य अतिथि विधायक गायत्री राजे पवार ने सैनिकों व पूर्व सैनिकों को सम्मान पत्र एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर समाज अध्यक्ष कपिल शर्मा, संरक्षक मोहनलाल शर्मा, अशोक शर्मा, हेमंत वर्मा, बाबूलाल नकलन, रमेश गौरवा, सचिव राजेन्द्र मकवाना, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा, चंद्रशेखर शर्मा, मोहनलाल अकालिया, राधेश्याम कारपेंटर, सन्तोष विश्वकर्मा, घनश्याम शर्मा, रोहित शर्मा, मोहित शर्मा, छोटू विश्वकर्मा, भरत शर्मा, कोमल शर्मा, अनीता मकवाना, निर्मला शर्मा, शालिनी शर्मा, बबिता शर्मा, सहित बड़ी संख्या मे समाजजन उपस्थित थे।

समाज और देश के लिये हमेशा आगे बढ़े नरसी कुलरिया

नेशनल डिफेंस फण्ड में दिया 21 लाख रूपये का सहयोग

बीकानेर। चाहे देश पर आपदा की बात हो या समाज पर, कुलरिया परिवार सहयोग में हमेशा आगे रहता है। गोलोकवासी संत दुलाराम कुलरिया के पुत्रगण भंवर कुलरिया, नरसी कुलरिया व पूनम कुलरिया का नाम भामाशाहों की श्रेणी में पहले स्थान पर है।

14 फरवरी को पुलवामा में हुये आतंकी हमले में शहीद जवानों के परिजनों के सहयोग के लिये भी यह परिवार आगे आया है। नरसी ग्रुप के सीएमडी नरसी कुलरिया ने बीकानेर पहुंच कर शहीद को श्रद्धांजलि देने के साथ ही शहीदों के परिजनों की सहायता के लिये 'नेशनल डिफेंस फण्ड' के नाम 21 लाख रूपये का चेक जिलाधिकारी बीकानेर कुमार पाल गौतम को सौंपा।

बता दें कि नरसी कुलरिया और उनके परिजन देश और समाज के लिये हमेशा तत्पर रहते हैं। छात्रावास, कालेज, विश्वकर्मा मन्दिर, गौशाला आदि के निर्माण में इन सभी का महत्वपूर्ण सहयोग रहता है। देश में जब भी कोई आपदा आती है यह परिवार अपना योगदान देने में तनिक भी पीछे नहीं रहता। विश्वकर्मावंशीय समाज को इन पर गर्व है।

विश्वकर्मा जयन्ती पर शहीदों के लिये एकत्रित किया 32 हजार

उज्जैन। विश्वकर्मा गुजराती समाज ने विश्वकर्मा जयन्ती समारोह को सादगी पूर्वक मनाते हुये पुलवामा के शहीदों के लिये 32 हजार रूपये की धनराशि एकत्रित किया। नामदारपुर स्थित गुजराती विश्वकर्मा समाज की धर्मशाला में आयोजित विश्वकर्मा जयन्ती समारोह बहुत ही सादगी पूर्वक मनाया गया। लोगों ने भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना के बाद कैण्डल जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

रिपोर्ट– मुकेश विश्वकर्मा

संस्था अध्यक्ष रमेश शर्मा के अनुसार पूर्व के वर्षों में धूमधाम से मनाई जाने वाली जयन्ती इस साल बहुत सादगी से मनाई गई। समाज और लोगों की संवेदनाएं शहीदों के साथ है लिहाजा सभी कार्यक्रम निरस्त कर सिर्फ श्रद्धांजलि दी गई और सहयोग राशि एकत्रित की गई। इस अवसर पर बहुत लोग उपस्थित रहे।

श्री विश्वकर्मा समाज सेवा संस्था ने मनाई विश्वकर्मा जयन्ती

मुम्बई। श्री विश्वकर्मा समाज सेवा संस्था काशीमीरा ने भगवान विश्वकर्मा जयन्ती बड़े ही श्रद्धाभाव से मनाया साथ ही पुलवामा में शहीद हुये जवानों को श्रद्धांजलि भी दी गई। जयन्ती समारोह की पूर्व सन्ध्या पर बालोतरा के भजन गायक शिवपुरी गोस्वामी ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी।

जयन्ती समारोह में सुबह भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर सामाजिक सम्मेलन की शुरूआत की गई। समारोह के अतिथियों व शिरोमणि तारातरा मठ के मठाधीश जगदीश पुरी महराज, जगराम पुरी महराज ने पुलवामा में शहीद हुये वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीदों के सम्मान में सभी ने दो मिनट का मौन रखा। इस मौके पर मुख्य अतिथि आईपीएस सांगाराम जांगिड़ ने कहा कि समाज की प्रतिभाएं आगे आकर देश व समाज की सेवा करें। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक जगदीश चन्द्र जांगिड़, आईआरएस रमेश कुमार जांगिड़ आदि उपस्थित रहे। संस्था की ओर से पुलवामा के शहीदों को 5 लाख 51 हजार रूपया देने की घोषणा की गई। अध्यक्ष अमृतलाल जांगिड़ ने सभी अतिथियों व आगन्तुकों का आभर प्रकट किया।

श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट ने मनाई विश्वकर्मा जयन्ती

मुम्बई। श्री विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट, भाइन्दर के तत्वाधान में विश्वकर्मा जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया। भगवान विश्वकर्मा के हवन-पूजन के साथ ही ट्रस्ट की तरफ से अतिथियों का सम्मान किया गया। सम्मानित होने वालों में विश्व के महानतम मूर्तिकार राम वी सुतार, देश के बेस्ट थानाधिकारी का अवार्ड प्राप्त करने वाले परमेश्वर सुथार प्रमुख रहे।

ट्रस्ट की ओर से भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर सभी अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित किया व पुष्प अर्पित किया। वक्ताओं ने समाज के नौजवानों को शिक्षित हो देश के विकास में योगदान देने का आवाहन किया। कहा कि देश के विकास में विश्वकर्मा वंशजों का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। ट्रस्ट की तरफ से पुलवामा के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर भंवर कुलरिया, रामचन्द्र बुढ़ड़, मघाराम कुलरिया, जेठाराम बरइचा, हीरालाल माकड़ आदि लोग उपस्थित रहे। ट्रस्ट के अध्यक्ष सूरजमल माकड़ ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

राज्य व देश स्तर पर कुश्ती में नमिता ने किया बेहतर प्रदर्शन

साहिबगंज। शहर के बड़ा पंचगढ़ निवासी अरुण विश्वकर्मा की पुत्री नमिता कुमारी 15 बालक/बालिका को प्रतिदिन कुश्ती का गुर सिखाती है। कुश्ती के क्षेत्र में परचम लहराने व आमिर खान की फिल्म दंगल में रेफरी का किरदार निभा चुकी नमिता नये कुश्ती खिलाड़ियों के लिए आदर्श बन चुकी है। बता दें कि वर्ष 2007 से नमिता कुश्ती के मैदान में उतरी है, अभी वह प्रशिक्षण दे रही है।

जानकारी के अनुसार 2007 में श्रीनगर में जूनियर नेशनल कुश्ती प्रतियोगिता में ब्रांज मेडल प्राप्त की। 2008 में स्टेट में गोल्ड व सीनियर एवं जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग ली। 2009 में स्टेट गोल्ड मेडल व झारखण्ड केसरी से सम्मानित हुई। अयोध्या में सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग ली।

2011 में भी स्टेट गोल्ड मेडल व झारखंड केसरी एवं अयोध्या में पुनः भाग ली। जिसके बाद 2011 में पोस्टल विभाग दुमका में क्लर्क में नौकरी की। मध्य प्रदेश भोपाल में गोल्ड मेडल, उदयपुर राजस्थान में 2012 में सिल्वर मेडल, ऑल इण्डिया फेडरेशन कप पतना में ब्रांज मेडल, 2013 में स्टेट गोल्ड मेडल, झारखण्ड केसरी व सीनियर नेशनल प्रतियोगिता, 34वीं राष्ट्रीय प्रतियोगिता रांची खेलगांव में भाग ले चुकी है।

2015 में इण्डिया टीम की कोच बनकर ब्राजील गयी। विश्व जूनियर चैम्पियनशिप व राष्ट्रीय सीनियर प्रतियोगिता रांची में भाग ली। 2014-15 में डिप्लोमा रेसलिंग कर एनआइएस पटियाला पंजाब से डिग्री हासिल की। लखनऊ में भारतीय कोचिंग कैंप व 2016—2017 में राष्ट्रीय महिला कोचिंग कैंप में भाग ली। बहरहाल आज भी वह अपने क्षेत्र में नाम रोशन करते हुए जिले का मान बढ़ा रही है।

सोनू विश्वकर्मा ने अम्बेडकरनगर जिले का नाम किया रोशन

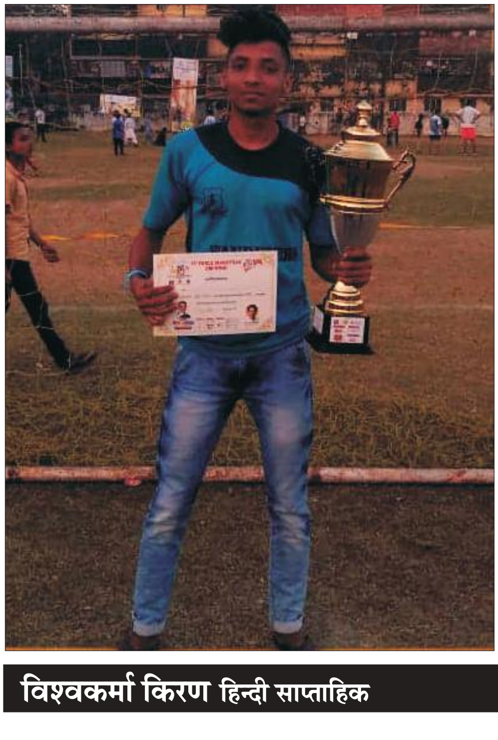

सोनू विश्वकर्मा कर रहा है इण्टर की पढ़ाई

फुटबाल में आजमा रहा है भाग्य, मिली पहली सफलता

अम्बेडकरनगर। जिले के अकबरपुर विधानसभा के गांव कोटवा महमदपुर में एक साधारण परिवार में जन्मे सोनू विश्वकर्मा पुत्र चन्द्रभान विश्वकर्मा ने देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई में लॉर्ड्स यूनिवर्सल कॉलेज में फुटबॉल प्रतियोगिता के 30 लोगो में प्रथम स्थान और दौड़ के प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त कर जिला का नाम रोशन करने के साथ समाज को भी गौरवान्तित किया है।

सोनू का जन्म मुम्बई में हुआ और शिक्षा भी वहीं प्राप्त की। सोनू ने अपनी सफलता का सम्पूर्ण श्रेय अपने माता पिता और चाचा के त्याग और बलिदान को दिया है। वह वर्तमान में इण्टर की पढ़ाई कर रहा है।

सामाजिक कार्यकर्ता राजू विश्वकर्मा, अरविन्द विश्वकर्मा, सुनील विश्वकर्मा आदि लोगों ने सोनू विश्वकर्मा को बधाई देते हुये उज्जवल भविष्य की कामना किया है।

कारीगर मन्त्रालय की मांग लेकर कारीगरों ने दिया धरना

दिल्ली। कारीगर मन्त्रालय, कारीगर विकास बोर्ड तथा कारीगर आयोग गठित करने की मांग लेकर आर्टिजन वेलफेयर आर्गेनाइजेशन ने दिल्ली के जन्तर-मन्तर पर एक दिवसीय धरना दिया। धरना का नेतृत्व कर रहे वी0 विश्वनाथन ने कहा कि उपरोक्त मांग बहुत पुरानी है। सरकारें आती-जाती रहीं परन्तु किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया। विडम्बना है कि देश में पशु-पक्षी और जानवरों को संरक्षित करने के लिये मन्त्रालय व आयोग है पर कारीगरों को संरक्षित करने की चिन्ता किसी को नहीं है, जबकि देश के विकास में कारीगरों का सर्वोत्तम योगदान है।

इस अवसर पर एस0एन0 हिवेलकर, कमल विश्वकर्मा, शिवराज ओझा, दिनेश वत्स, होरीलाल शर्मा, हरीश शर्मा, विद्यासागर जांगिड़ आदि लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

हौसले को नमन: पैरों से लिख कर अपनी तकदीर बदल रहा तुषार विश्वकर्मा

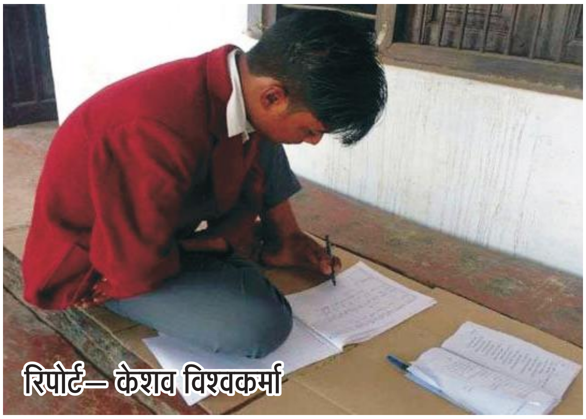

लखनऊ। राजेश विश्वकर्मा के बेटे तुषार विश्वकर्मा के हाथ तो हैं लेकिन पोलियो की वजह से वह हाथ से लिख नहीं सकता। बचपन से ही अन्य बच्चों को देखकर स्कूल जाने की जिद करने लगा। उसकी जिद और जज्बे को देखकर माता पिता ने उसका दाखिला स्कूल में करवा दिया, जहां तुषार अन्य बच्चों को हाथ में पेंसिल पकड़े देखकर कुछ दिन परेशान रहा, लेकिन शिक्षकों के हौसला बधांने पर उसने पैरों से लिखना शुरू किया। धीरे-धीरे उसकी मेहनत रंग लाने लगी और हमेशा ही परीक्षा में अच्छे अंक लाकर अपने माता-पिता का नाम रोशन किया।

सरोजनी नगर के क्रिएटिव कान्वेंट स्कूल से दसवीं की पढ़ाई कर रहा तुषार विश्वकर्मा बंथरा के लाला रामस्वरूप इण्टर कॉलेज में बोर्ड की परीक्षा देने पहुंचा। तुषार का हिंदी का पेपर था और उसे कमरा नंबर 21 में बैठना था। केन्द्र व्यवस्थापक व विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 डी0के0 कौशल ने जब इस बच्चे को देखा तो उन्होंने उसकी सुविधा को देखते हुए परीक्षा देने के लिए कमरे के बाहर मेज लगवा दी, जहां तुषार ने बैठकर पेपर देना शुरू कर दिया। हाथों से दिव्यांग तुषार ने पैरों की अंगुलियों में पेन फंसाया और उत्तर पुस्तिका में लिखना शुरू कर दिया। उसे पैरों से लिखता देख विद्यालय में मौजूद हर कोई दंग था। केन्द्र व्यवस्थापक ने बताया कि इस बच्चे को इस तरह परीक्षा देते देख उनके यहां एक शिक्षक ने प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिका के पेज पलटने में मदद करने की कोशिश की तो उसने यह कहकर उन्हें रोक दिया कि वह यह काम खुद ही कर लेगा। परीक्षा दे रहे तुषार की लिखने की स्पीड भी कम नहीं थी और उसकी राइटिंग भी काफी अच्छी थी। केन्द्र में मौजूद सभी लोग तुषार की इस मेहनत और लगन को देखकर यही कह रहे थे कि वह आगे चलकर जरूर कामयाब होगा।(साभार)

अम्बेडकरनगर की अनीता विश्वकर्मा को राजस्थान में विश्वकर्मा गौरव सम्मान

अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश के अम्बेडकरनगर जिले की निवासी अनीता विश्वकर्मा को राजस्थान में 'विश्वकर्मा गौरव' सम्मान प्राप्त हुआ है। यह सम्मान उन्हें दलित, वंचित, शोषित, पीड़ित व गरीबों के हक और सम्मान की लड़ाई के लिये गुलशन चैरिटेबल ट्रस्ट की तरफ से मिला है। अनीता ने दलित, वंचित, शोषित, पीड़ित व गरीबों के हक और सम्मान की लड़ाई के लिये अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया है।

अनीता विश्वकर्मा कटेहरी क्षेत्र के अशरफपुर बरवा गांव के एक साधारण परिवार में पैदा हुई। स्नातक की शिक्षा पूरी करने के बाद सामाजिक कार्यों में रूचि लेने लगी। वह भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा में जिला मीडिया प्रभारी भी हैं। अनीता का कहना है कि महिलाओं को भी समाज में कदम से कदम मिलाकर समाज और देशहित के लिये कार्य करना चाहिये। उन्होंने कहा कि जब तक आधी आबादी मजबूत नहीं होगी, समाज और देश का विकास सम्भव नहीं है। उन्होंने स्वयं समाज की महिलाओं को मानसिक रूप से मजबूत करने का काम किया है जिससे वह अपने ऊपर हो रहे अत्याचार व शोषण के विरूद्ध आवाज उठा सकें।

उनका मुख्य उद्देश्य गरीब, वंचित और शोषित वर्ग को शिक्षित करना है। अनीता विश्वकर्मा के अम्बेडकरनगर वापस आने पर जिले के लोगों द्वारा उनका सम्मान किया गया। उनके द्वारा युवतियों को मजबूत बनाने की दिशा में किये जा रहे कार्य की सराहना भी की गई।

श्री विश्वकर्मा वेलफेयर क्रेडिट सोसायटी की वार्षिक आम सभा में हुआ लाभांश का वितरण

भिलाई। विश्वकर्मा समाज कल्याण केन्द्र, भिलाई (छत्तीसगढ़) द्वारा संचालित श्री विश्वकर्मा वेलफेयर क्रेडिट सोसायटी की 14वीं वार्षिक आम सभा 3 फरवरी 2019 को श्री विश्वकर्मा पूजा स्थल, सड़क-2, सेक्टर-2, भिलाई में संपन्न हुआ। सोसायटी के अध्यक्ष प्रवीणचन्द्र शर्मा ने समस्त सदस्यों का अभिवादन कर सोसायटी के प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति के द्वारा मंजूर प्रस्ताव को आम सभा में रखा जिसे सभी सदस्यों से ध्वनि मत से पारित कर लागू करने हेतु सहमति दी।

उन्होंने कहा कि सदस्यगण सोसायटी के नियमावली को अपने घनिष्ठ मित्र की तरह व्यवहार करें। यदि आप अपने मित्र को स्वार्थ के नजर से देखेंगे तो लंबे समय तक सोसायटी में टिक पाना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन होगा। जिस सदस्य का रिकार्ड सही है उनके लोन राशि को इस साल बढ़ाया गया और जिसका सही नहीं है उनकी लोन राशि समित करने का भी प्रावधान है। उन्होंने वर्ष 2018 के आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत करते हुये बताया कि समाज की सोसायटी विगत 14 वर्षों से निर्विवाद रूप से संचालित है। वर्ष 2018 में कुल 4 नए सदस्य सोसायटी से जुड़े हैं इस प्रकार से वर्तमान में कुल सदस्यों की संख्या बढ़कर 178 हो गई है यदि संचालन इसी तरह ईमानदारी से चलता रहा तो एक दिन सोसायटी भविष्य के बैंक के रूप में स्थापित होगा जाएगा।

सभी सदस्यगण इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए जिम्मेदारी के साथ सोसायटी को इस मुकाम तक पहुंचाने में सहयोग करें। विगत 13 वर्षों से संस्था समाज के गरीब और माध्यम वर्ग के लोगों के लिए आर्थिक मददगार साबित हो रही है। स्वार्थी और सुविधाओं का दुरुपयोग करने वाले के कारण ही सुविधाएं खत्म हो जाती हैं, हमें ऐसे व्यक्ति से दूरी बनाकर रखना चाहिऐ सोए हुए को जगाने का समय खत्म हुआ, अब जागे हुए समाज के लोगों के हिम्मत और साहस को देखकर नींद से सोए लोगों को स्वयं ही जागने का समय आ गया है। अब समाज के वरिष्ठजनों का अनुभव तथा युवा एवं नारी शक्ति हमारे साथ है। नए सदस्यों को भी सोसायटी का सदस्यता प्रपत्र, ऋण प्रपत्र, पेनाल्टी, शेयर वैल्यू, आवर्ती जमा राशि की जानकारी दी गयी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुबास शर्मा एवं विशेष अतिथि हरिराम शर्मा, सुशील शर्मा, अजय शर्मा, दीपक शर्मा (पूर्व लेबर आफिसर, बीएसपी), अनिल विश्वकर्मा (पूर्व डिप्टी रेंजर) के करकमलों से सदस्यों को कुल लगभग एक लाख चालीस हजार रुपए लाभांश के रुप में वितरित किया गया। इस दौरान सदस्य उपेन्द्र विश्वकर्मा, पारस नाथ शर्मा, आर0एन0 शर्मा, नन्द किशोर शर्मा ने अपना सुझाव दिया तथा युवा कार्यकर्ता मोहन शर्मा ने पूरे कार्यक्रम की फोटो की। सभा के अंत में सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर सुबास शर्मा, प्रवीणचन्द्र शर्मा, नंदकिशोर शर्मा, ईश्वर दयाल शर्मा, पारसनाथ शर्मा, उमेश विश्वकर्मा, मयानन्द शर्मा, अशोक शर्मा, संतोष राणा, बी0के0 शर्मा, ओ0पी0 शर्मा, सतेन्द्र विश्वकर्मा, श्याम कुमार शर्मा, विजय विश्वकर्मा, उपेन्द्र विश्वकर्मा, सुरेन्द्र शर्मा, दरोगा शर्मा, सतीश विश्वकर्मा, त्रिलोकी नाथ शर्मा, गिरधर गोपाल शर्मा, रामकुमार शर्मा, सुदामा शर्मा, बीरेन्द्र शर्मा, अजय कुमार

सृजन विश्वकर्मा महिला संगठन ने बृद्धजनों को कराया भोजन तो हुआ अपनापन का एहसास

भिलाई। सृजन विश्वकर्मा महिला संगठन की 14 सदस्यीय कार्य समिति ने 17 फरवरी भगवान विश्वकर्मा जयन्ती के अवसर पर दुर्ग में स्थित बृद्धा आश्रम में अपनी सेवाएं दी। संगठन की सदस्यों ने बृद्धा आश्रम में समय बिताये, सभी का हाल चाल पूछा और बृद्धजनों को भोजन खिलाकर अपनापन का एहसास दिलाया। आश्रम के सभी बृद्धजनों ने सृजन विश्वकर्मा महिला समाज के सेवा भावना की सराहना करते हुये कहा कि ईश्वर समाज के सभी महिलाओं को इतनी शक्ति दे ताकि वे इसी तरह समाज में मानव सेवा के जीवन ज्योति को सदा प्रज्जवलित करती रहे। सृजन महिला संगठन के इस नेक कार्य की सर्वत्र सराहना हो रही है।

बृद्धजनों की सेवा अभियान में श्रीमती विमला शर्मा (अध्यक्ष), सुचित्रा शर्मा (उपाध्यक्ष), रीना विश्वकर्मा (सचिव), रीता शर्मा (कोषाध्यक्ष), संजना सांडिल्य (सहसचिव), छाया विश्वकर्मा, रेणु विश्वकर्मा, रेखा शर्मा, आरती शर्मा, अनीता शर्मा, सुनीता शर्मा, संगीता, राखी ठाकुर, एवं ममता सांडिल्य विशेष रूप से उपस्थित रही।

.....पिछले पृष्ठ का शेष

शर्मा, रामनिवास शर्मा, विजय कुमार शर्मा, प्रदीप शर्मा, श्रीभगवान शर्मा, हीरालाल शर्मा, अशोक विश्वकर्मा, मुकेश शर्मा, नारायण प्रसाद विश्वकर्मा, कांतिलाल विश्वकर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, डॉ0 अशोक शर्मा, मोहन शर्मा, विजय शर्मा, चन्दन विश्वकर्मा, ज्ञानेश्वर शर्मा, डॉ0 रामलाल शर्मा, दीपक कुमार विश्वकर्मा, डॉ0 अशोक शर्मा, सुभाष पांचाल, बरमेश्वर शर्मा, कृष्णानंद विश्वकर्मा, अक्षय लाल शर्मा, नमोनारायण शर्मा, बसंत शर्मा, रामनरेश शर्मा, रविन्द्र शर्मा, सुदामा शर्मा, श्रीभगवान शर्मा, लालबहादुर शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, रामनयन विश्वकर्मा, शिवलाल सोनवाने, सुरेश शर्मा, राकेश शर्मा, कन्हैया विश्वकर्मा, त्रिभुवन शर्मा, रामसमुझ शर्मा, राजा आनंद शर्मा, वीर शर्मा, मानिकलाल शर्मा, पंकज शर्मा, विजय शर्मा, ताराचंद शर्मा, प्रदीप वि0, अरविन्द शर्मा, अनूप शर्मा, सनी शर्मा, दिनेश वि0 सहित बड़ी संख्या में सोसाइटी के सदस्य उपस्थित रहे।

सृष्टि शर्मा ने स्केटिंग में लगातार चौथी बार बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड

नागपुर। 14 वर्षीय स्केटर सृष्टि शर्मा ने 24 जनवरी 2019 को 'सेव अ गर्ल चाइल्ड' डे के उपलक्ष्य में बेटी बचाओ—बेटी पढ़ाओ अभियान को आगे बढ़ाते हुए लगातार चौथी बार गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाया। अपने होम ग्राउण्ड वेकोलि उमरेड स्थित स्केटिंग रिंक पर जब सृष्टि ने फास्टेस्ट टाईम टू लिंबो स्केट ओवर 10 बार्स जिसकी ऊंचाई 12 इंच थी, समानान्तर आड़े पोल के नीचे से गुजरी तो सैकड़ो बच्चे, अभिभावक एवं गणमान्य लोगों की तालियों से पूरा स्केटिंग रिंक गूंज उठा।

वेकोलि उमरेड रहवासी सेंटर प्वाइंट स्कूल की इस छात्रा ने गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड द्वारा निर्धारित 2.062 सेकेण्ड का यह रिकार्ड 1.891 सेकेण्ड में यह रिकार्ड बनाकर इतिहास रच डाला। उसने 9 सितम्बर 2018 को चेन्नई के नवीन कुमार द्वारा बनाया गया 2.062 सेकेण्ड का रिकार्ड तोड़ दिया। यह अभियान आम वॅली स्पोर्टिंग एसोसिएशन और नागपुर जिला रोलर स्केटिंग एसोसिएशन अन्तर्गत किया गया।

सृष्टि का यह कर्तब देखकर उसकी दादी लखराजो देवी भावुक हो उठी। जब उनसे पूछा गया कि, सृष्टि का यह कर्तब देखकर आपको डर नही लगता है? तो उन्होंने कहा अब इतना कर ही ली है तो डर कहां रहा। रेखा सिंह और पी0एस0 लाल ने सृष्टि के लिए मंच पर खड़े होकर गीत गाए।

इस मौके पर वेकोलि उमरेड क्षेत्र के एरिया जनरल मैनेजर एम0के0 मुजुमदार (एरिया जनरल मैनेजर उमरेर क्षेत्र), टी0एन0 सूर्यवंशी (जी0एम0 ऑपरेशन उमरेर क्षेत्र), पी0एस0 लाल (एरिया पर्सनल मैनेजर उमरेर क्षेत्र), रूही खान (पर्सनल मैनेजर उमरेर क्षेत्र), योगीता मानकर (सरपंच वायगाव घोटुली), पंकज गायधने (उपसरपंच वायगांव घोटुर्ली), कुलदीप रावल (जॉईंट सेक्रेटरी, बी0एम0एस0 युनियन उमरेर क्षेत्र), सतीष पारोचे (वेलफेअर मेंबर बी0एम0एस0 युनियन उमरेर क्षेत्र), संगीत सिन्हा (अध्यक्ष-एच0एम0एस0 युनियन उमरेर क्षेत्र), दीपू पिल्ले (महासचिव-एच0एम0एस0 युनियन उमरेर क्षेत्र), नरहरी वानखेडे (अध्यक्ष-सि0आय0टी0यु0 युनियन उमरेर क्षेत्र), विकास मुळे (सचिव इंटक उमरेर उपक्षेत्र) मंच पर उपस्थित थे। सृष्टि की इच्छा है कि वह बड़ी होकर डॉक्टर बनकर इण्डियन आर्मी ज्वाइन करेगी।

'विश्वकर्मा किरण' पत्रिका परिवार की तरफ से सृष्टि शर्मा को बधाई व उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं।

विशेषर राम विश्वकर्मा की पहल, वृद्धावस्था में दुत्कार का दर्द सहने वालों को मिलेगा आश्रय

कोरबा। मां-बाप को बुजुर्ग होने पर उनके अपने ही बेसहारा कर देते हैं। ऐसे लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। दूसरी ओर कुछ ऐसे लोग भी हैं जो बिना किसी स्वार्थ के बुजुर्गों की सेवा करने पीछे नहीं रहना चाहते। ऐसे ही परिवार में शामिल है पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक के बिंझरा में रहने वाला विश्वकर्मा परिवार। यह परिवार अपने हक की 15 डिसमिल जमीन पर स्वयं के खर्च से सुविधाजनक वृद्धाश्रम का निर्माण करा रहा है। भवन बन कर तैयार है फिनिशिंग बाकी है। भवन बनने के बाद बुजुर्गों की सेवा के लिए समर्पित हो जाएगा।

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से 37 किलोमीटर दूर जटगा-पसान मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत बिंझरा में विशेषर राम विश्वकर्मा (74) परिवार के साथ रहते हैं। पोड़ी उपरोड़ा कोआपरेटिव मार्केटिंग सोसायटी में सहायक प्रबंधक पद से वर्ष 2012 में सेवानिवृत्त होने वाले विशेषर राम वर्तमान में संविदा पर उक्त विभाग में समय-समय पर अपनी सेवाएं देते हैं। इस परिवार ने सर्वधर्म समभाव के उद्देश्य से जमीन पर अपने ही खर्च से वृद्धाश्रम बनवाया है। इस सेवा कार्य के लिए समिति के माध्यम से तत्कालीन मध्यप्रदेश शासनकाल के दौरान सन 1986 में मानव कल्याण समिति के नाम पर पंजीयन भी कराया जा चुका है। इसके लिए ग्राम पंचायत ने अनापत्ति प्रमाण-पत्र भी जारी कर दिया है। वर्तमान में 3 डिसमिल जमीन पर सत्संग कार्य के लिए भवन निर्माण का काम

प्रगति पर है। इस सम्बन्ध में जब विशेषर राम विश्वकर्मा से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि परिवार के उपेक्षा का दंश झेल रहे विभिन्न समुदाय के वृद्धजनों को यहां आसरा मिलेगा। इसी सेवाभाव से इस वृद्धाश्रम का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी नजर में इससे बड़ा सेवा का कार्य कुछ हो ही नहीं सकता।

हाड़ी पिपल्या की टीना बनी तहसीलदार, मिला सम्मान

मनासा। नीमच जिले के ग्राम हाड़ी पिपल्या के किसान मुकेश मालवीय की बेटी टीना का नायब तहसीलदार पद के लिए चयन हुआ है और मौसेरी बहन सोनाली सोलंकी का साफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में प्लेसमेन्ट हुआ है। दोनों बहनों के गांव पहुंचने पर सार्वजनिक सम्मान किया गया।

मनासा तहसील के छोटे से गांव हाड़ी पिपल्या के किसान मुकेश मालवीय की बेटी टीना मालवीय इंदौर से पीएससी की तैयारी कर रही थी। जुलाई 2018 को टीना ने पीएससी की परीक्षा दी और परीक्षा में सफलता मिली। 4 जनवरी को साक्षात्कार हुआ और चयन सूची में टीना का नाम आया है। टीना के साथ ही उसकी मौसी की लड़की सोनाली विक्रम सोलंकी का चयन साफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में हुआ है। दोनों बहनों के गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने सार्वजनिक रूप से सम्मान किया।

लोहार की बेटी ने 'हथौड़े' के साथ 'हॉकी' थाम तय किया नेशनल लेवल की कप्तानी तक का सफर

अलवर। कामयाब होने में गरीबी आपके कदम नहीं रोक सकती है, क्योंकि सफलता तो बुलंद हौसलों से मिलती है। आप में आगे बढ़ने का जोश है और आप अपना लक्ष्य पाने के लिए पूरी शिद्दत से मेहनत करते हैं तो मिसाल बन सकते हैं। इस बात का उदाहरण है राजस्थान के गाड़िया लोहार की बेटी अंजलि लोहार। राजस्थान हॉकी में अंजलि लोहार का नाम बड़े गर्व से लिया जाता है, क्योंकि लोहार की यह बेटी खरा सोना है। हाथ में हथौड़ा थामने वाली बेटी अंजलि ने न केवल हॉकी थाम ली, बल्कि राजस्थान हॉकी की अंडर 14 टीम की कप्तानी तक सफर तय कर लिया है।

जानिए कौन है हॉकी खिलाड़ी अंजलि—

हॉकी खिलाड़ी अंजलि लोहार राजस्थान के अलवर की रहने वाली है। इसका जन्म अलवर के सूर्यनगर में रहने वाले गाड़िया लोहार परिवार में हुआ है। इनके परिवार के पास खुद का पक्का मकान तक नहीं है। कच्चे डेरे में पैदा हुई अंजलि ने अपने हुनर के दम पर हॉकी में सुनहरा सफर तय कर लिया है। वर्तमान में खुदनपुरी स्कूल की आठवीं कक्षा में पढ़ती है। अंजलि का सपना देश के एशिया और ओलम्पिक में प्रतिनिधित्व करने का है।

पीटीआई ने पहचानी प्रतिभा—

अंजलि का सफर दो साल पहले शुरू हुआ। खुदनपुरी स्कूल के विद्यार्थियों को हॉकी खेलते देख अंजलि ने भी हॉकी खेलना चाहा। इस बारे में स्कूल के पीटीआई विजेन्द्र सिंह नरूका को बताया तो शुरूआत में उन्हें भी अजीब लगा कि गाड़िया लोहार परिवार की बेटी हॉकी खेल पाएगी या नहीं। खेलना सीख भी गई तो पता नहीं इसके परिवार वाले बाहर प्रतियोगिताओं में भेज सकेंगे या नहीं। इन्हीं सवालों का जवाब जानने पीटीआई नरूका छात्रा के डेरे में आए और उसके परिवार से बात की। परिवार ने बेटी के बढ़ते कदम नहीं रोके। नतीजा, अंजलि ने हॉकी में कमाल कर दिखाया।

हिसार में की कप्तानी—

अंजलि के परिजनों के हामी भरने के बाद पीटीआई नरूका ने अन्य खिलाड़ियों के साथ उसे भी प्रशिक्षण देना शुरू कर दिया। अपने हुनर और मेहनत के दम पर अंजलि जल्द ही हॉकी की बारीकियां सीख गईं। फिर स्थानीय प्रतियोगिताओं में कई बार अच्छा प्रदर्शन किया। ऐसे में अंजलि का चयन जोधपुर, नागौर, हनुमानगढ़, कोटा, बारां में हुई हॉकी प्रतियोगिताओं में हुआ। इनमें अपने शानदार प्रदर्शन के बूते अंजलि ने राजस्थान की अंडर 14 हॉकी टीम में न

केवल जगह बनाई बल्कि कप्तान भी बनी। अंजलि की कप्तानी में राजस्थान की टीम 10 से 14 जनवरी को हरियाणा के हिसार में 64वीं नेशनल प्रतियोगिता खेलकर आई।

इससे बड़ी खुशी हमारे लिए दूसरी कोई नहीं—

अंजलि की मां शशिकला ने बताया कि मैं और मेरी बिरादरी की कोई महिला नहीं पढ़ पाई, मगर हमने बेटी अंजलि को पढ़ने से नहीं रोका। उसे निजी स्कूल में पढ़ाना चाहते थे, मगर गरीब है, इसलिए सरकारी में दाखिला करवा दिया। कहते हैं कि अंजलि हॉकी खेलती है। मैं जानती भी नहीं कि हॉकी होती क्या है। एक बार बेटी ने हथौड़ा हाथ में लेकर समझाया था कि ऐसी होती है हॉकी। लम्बाई में इससे थोड़ी सी बड़ी।

अभावों में प्रशिक्षण—

अंजलि ने अपनी सफलता का श्रेय कोच विजेन्द्र सिंह नरूका को दिया है। वहीं नरूका कहते हैं कि हॉकी के प्रशिक्षण के लिए एस्ट्रो टर्फ की जरूरत होती है, जो अलवर जिले में नहीं है। अंजलि व अन्य खिलाड़ियों ने सूर्यनगर के खाली मैदान में प्रशिक्षण किया। पर्याप्त संसाधनों के अभाव के बावजूद अंजलि ने हॉकी में कामयाबी की नई इबारत लिख दी है। अंजलि को हॉकी व जूते खरीदने के पैसे भी आस-पास के लोगों ने चंदा करके दिए। (साभार)

'विश्वकर्मा किरण' पत्रिका परिवार समाजजनों से अनुरोध करता है कि अंजलि लोहार की प्रतिभा को निखारने व उच्च स्तर पर खेलने हेतु उसे आर्थिक सहयोग प्रदान करें जिससे वह तैयारी कर सके।

-विशेष अनुरोध-

प्रिय बन्धुओं, सादर विश्वकर्माभिवादन!

आप सभी जानते हैं कि "**विश्वकर्मा किरण**" हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका प्रकाशन के 20वें वर्ष में चल रही है, जो समाज के अधिकांश समाचारों, विचारों और लेखों के साथ आप सभी के बीच एक पहचान बना चुकी है। पत्रिका ने समाज के हर छोटे-बड़े समाचारों, लेखकों के विचार, समाज के कवियों और साहित्यकारों को तवज्जो दिया है। अधिकांश पाठक और शुभचिन्तक यह अच्छी तरह जानते हैं कि समाचारपत्र अथवा पत्रिका प्रकाशन का कार्य बहुत ही कठिन है। प्रकाशन में बहुत खर्च आता है जिसका संकलन बहुत ही कठिनाई से हो पाता है, इन्हीं परिस्थितियों में कभी-कभार प्रकाशन बाधित भी हो जाता है। प्रकाशन बिना आप सभी के सहयोग के नहीं चल सकता। आप सभी से अनुरोध है कि सदस्यता के अलावा भी समय-समय पर यथासम्भव पत्रिका का आर्थिक सहयोग करते रहें जिससे प्रकाशन निर्बाध रूप से चलता रहे।

सहयोग राशि इस खाते में जमा करें-

Account Name	:	VISHWAKARMA KIRAN
Account No.	:	4504002100003269
Bank Name	:	PUNJAB NATIONAL BANK
Branch	:	SHAHGANJ, JAUNPUR (U.P.)
IFSC Code	:	PUNB0450400

प्रोप्राइटर-

रमाकान्त शर्मा

प्रदेश अध्यक्ष

दि अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा, उ0प्र0

मो0: 9415423385, 9336853175

दि सन सिटी होटल एण्ड बैंक्वेट हाल, दामोदर नगर, निकट बर्रा बाईपास चौराहा, कानपुर (उ0प्र0)

जय विश्वकर्मा! ।। श्री विश्वकर्मणे नमः।। जय विज्ञान!!

AKHIL BHARTIYA VISHWAKARMA MAHASABHA

छेदीलाल शर्मा विश्वकर्मा
राष्ट्रीय अध्यक्ष

Regd N0.- S/9384 of 1968-69 (W.B.)

दि अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा द्वारा आयोजित 3 दिवसीय

स्वर्ण जयन्ती समारोह

दिनांकः 1, 2 व 3 मार्च, 2019

स्थानः रेलवे इन्स्टीच्यूट, गुलमोहर, हावड़ा (प०बं०)

सभी अतिथियों व आगन्तुकों का

हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन

गौतम शर्मा
प्रदेश अध्यक्ष, प० बंगाल
मो०: 9831509004

रमाकान्त शर्मा
प्रदेश अध्यक्ष, उ०प्र०
मो०: 9415423385

दिनेश भाई शर्मा
राष्ट्रीय सचिव
मो०: 9920996281

दि अखिल भारतीय विश्वकर्मा महासभा

विश्वकर्मा किरण हिन्दी साप्ताहिक
R.N.I. No.- UPHIN/2000/01157
जौनपुर, 28 फरवरी, 2019